चतुर्थ संस्करण-2021

॥ ॐ श्री परशुरामाय नमः ॥

रजि. नं. 217/74

सर्व ब्राह्मण गोत्रावली

(आदिगौड़ ब्राह्मण समाज)

तेज बदन कर परशु है, शोभित तीर कमान।
भक्त त्रास सब हरत हैं, परशुराम भगवान ॥

अखिल भारतीय श्री आदिगौड़ ब्राह्मण समाज

प्रधान कार्यालय : 'बद्री विशाल भवन', कल्याण जी का रास्ता, पहला चौराहा,
चांदपोल बाजार, जयपुर-302001 (राज.) मोबाइल : 9314663550

Websites : adigaur.tripod.com/samaj, www.wix.com/adigaur/samaj

E-mail : adigaur@iycos.com/adigaurbrahman90@gmail.com, hggaur@gmail.com

Front back

॥ ॐ श्री परशुरामाय नमः ॥

चतुर्थ संस्करण, 2021 रजि. नं. 217/74

सर्व ब्राह्मण गौत्रावली

(आदिगौड़ ब्राह्मण समाज)

प्रकाशक

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज

''प्रधान कार्यालय''

3440, बद्री विशाल भवन, कल्याण जी का रास्ता, पहला चौराहा, चाँदपोल बाजार,
जयपुर-302001 (राजस्थान) * मो. : 9314663550

Website : http//adigaur.tripod.com/samaj, www.wix.com/adigaur/samaj

e-mail : adigaur@lycos.com/adigaurbrahman90@gmail.com /
hggaur@gmail.com

''प्रकाशक''

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज

''प्रधान कार्यालय''

3440, बद्री विशाल भवन, कल्याण जी का रास्ता, पहला चौराहा, चाँदपोल बाजार,
जयपुर-302001 (राजस्थान) * मो. : 9314663550

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण- **1987**
द्वितीय संस्करण- **1995**
तृतीय संस्करण- **2006**
नवीन एवं संसोधित चतुर्थ संस्करण - **2021**

''सम्पादक मण्डल''

पं. शांतिलाल गौड़, डॉ. हरगोविंद गौड़,
पं. अशोक सुरोलिया, वैद्य सत्यनारायण शर्मा,
पं. शम्भू दयाल जैमिनी, पं. रमेश चंद गौड़,
डॉ. गिर्राज प्रसाद शर्मा, पं. ओमप्रकाश शास्त्री,
पं. रामकुमार शर्मा, प्राचार्य

प्रतियाँ : 1000
मूल्य : 100/-

मुद्रक :
प्रिन्ट-ओ-प्रिन्ट
2079-80, बद्रीनाथ जी का चौक, खजानेवालों का रास्ता,
चाँदपोल बाजार, जयपुर-1
फोन : 0141-4008005 * मो.: 94140 43784

अनुक्रमाणिका

1.	मुख्यावरण	1
2.	विज्ञापन	2
3.	अनुक्रमणिका	3
4.	सम्पादकीय	4
5.	अध्यक्ष की कलम से	5
6.	शुभकामना–संदेश	6
7.	गर्व से कहो हम ब्राह्मण हैं	7–8
8.	भारतीय समाज में नारी की स्थिति	9
9.	स्वास्तिक का रहस्य	10
10.	हम, हमारे छात्र एवं नैतिकता	11
11.	आखिर कौन हैं आदि गौड़ ब्राह्मण जानिए	12–13
12.	सामाजिक चरित्र की भूमिका	14
13.	संस्कृत भाषा में निहित गूढ़ रहस्य	15
14.	वर्तमान समय के अनुरूप कैरियर चयन	16–17
15.	समाज में महिलाओं की भूमिका	18
16.	समाज सुधार में माँ की भूमिका व योगदान	19
17.	मानव जीवन में उत्साह की भूमिका	20–21
18.	वर्णाश्रम–धर्म	22
19.	जीवन में उपयोगी कानूनी परामर्श	23
20.	वास्तु दर्पण–अष्ट दिशा परिणाम	24
21.	जीवन में व्यावहारिक ज्ञान का महत्व	25
22.	सामाजिक परिवर्तन	26
23.	सामाजिक सरोकार–श्री आदि गौड़ ब्राह्मण ब्लड़ग्रुप जयपुर	27
24.	विविध सामाजिक गतिविधियाँ	28–33
25.	संस्थागत आवश्यक सूचनाएँ	34
26.	व्यावसायिक विज्ञापन	35–36

प्रस्तावना

हमारे पूर्वजों ने अपने पुत्र पुत्रियों के सम्बंध करने के लिये गोत्रों का मिलान करने का नियम बना कर चार गोत्रों से न मिलने बाले गोत्रों में कन्या का देना लेना निश्चय कर निम्न गोत्रों का निर्णय किया था - अपना ऋषि गोत्र तथा प्रवर जिस परिवार से न मिलते थे उसी परिवार को लडक़ी देना लेना स्वीकार किया था। विज्ञान द्वारा भी इस संबंध में यही बात कही गई है कि सगोत्र शादी करने पर अधिकांश ऐसे दंपत्ति की संतानों में अनुवांशिक दोष अर्थात मानसिक विकलांगता, अपंगता, गंभीर रोग आदि जन्मजात ही पाए जाते हैं । शास्त्रों के अनुसार इन्हीं कारणों से सगोत्र विवाह पर प्रतिबंध लगाया था।

आज अज्ञानता के कारण ऋषि गोत्र, प्रवर आदि को छोड़कर हम अपने ग्राम गोत्रों को काम लेने लगे हैं। जिससे दोनों पक्षों में प्रायः ऋषि गोत्र एवं प्रवर मिल जाते हैं जो एक ही ऋषि की सन्तान हैं जो भाई- बहिन को हम पति पत्नी के रूप में देख रहे हैं। ग्राम गोत्र तो जो व्यक्ति जहां रहते हैं तथा जिस पूर्वज ऋषि का अधिकार था उस ग्राम के नाम को ही शासन माना जाता है। अनजाने में आज भी शासन को ही गोत्र मान रहें हैं। जबकि गोत्र पूर्वज ऋषि के नाम पर होता है। इसलिये हम सबको वेद, उपवेद, शाखा शूत्र, शिखा, पाद, देवता, गोत्र, प्रवर का ज्ञान होना चाहिये।

यत्र तत्र वसे हुए हमारे समाज बंधुओं को यह जानकारी उपलब्ध हो यह विचार कर वर्तमान व भावी पीढ़ी को अपने शासन गोत्र व पदवी कुलदेवी वेद प्रवर आदि का ज्ञान हो सके इस हेतु सर्व ब्राह्मण गोत्रावली नामक ग्रंथ का प्रकाशन अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज ने कराया जिसका प्रथम संस्करण 1987, द्वितीय संस्करण 1995 व तृतीय संस्करण 2006 में प्रकाशित हुआ था। इसका नवीन संशोधित चतुर्थ संस्करण 2021 आपके समक्ष प्रस्तुत है। जिसमें शासन, ऋषि गोत्र, पदवी, प्रवर व शाखा का समावेश किया गया है। जो भावी पीढ़ी की अवगत कराना उचित व आवश्यक है। यह हम सब के लिये उपयोगी सिद्ध होगी।

जिन समाज हितेषी बन्धुओं ने प्रेरना दी है या प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूपसे सहयोग किया है तथा जिन विद्वान व प्रतिष्ठित महानभावों ने इस पुस्तक के लिये शुभकामनाएं दी हैं उनके हम कृतज्ञ हैं।

डॉ. हरगोविन्द गौड़

अध्यक्ष

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज

पुण्य स्मरण

जन्म 18 जुलाई 1947 – देवलोक गमन 27 अप्रेल 2021

श्रीमती मीना देवी शर्मा (गौड़)

करोड़ों की आबादी वाले इस संसार में यदा-कदा ही ऐसे कर्म-धन्य व्यक्ति जन्म लेते हैं
जिनकी प्रेरणा और प्रतिबद्धता सर्वजन हिताय - सर्वजन सुखाय होती है.
जिनका संकल्पित साहस अदम्य होता है, जो अपनी कर्मठता से औरों को भी ऊर्जायित, प्रेरित करते हैं.
जो मशाल बनकर समाज का पथ आलोकित करते हैं तथा शाश्वत प्रेरणा पुंज बने रहते हैं.

श्री जमनादास जी शर्मा (मुखिया जी) और श्रीमती गणेशी देवी की सुपुत्री **श्रीमती मीना देवी** का जन्म 18 जुलाई 1947 को विख्यात कृष्णतीर्थ नाथद्वारा (राजस्थान) में हुआ था। उनका विवाह 23 जून 1967 में राजस्थान के ही बेगू (जिला चित्तौड़गढ़) के निवासी श्री औकारलाल जी व प्यारी बाई के सुपुत्र श्री शान्तिलाल जी शर्मा से हुआ। मीना देवी ने जीवन में सभी प्रतिकूल एवं अनुकूल परिस्थितियों में अपने पति का साथ निभाया एवं पूरे परिवार को एक सूत्र में बांध कर रखा। मीना देवी सादगी, ममता, स्नेह, सहनशीलता एवं त्याग की अनुपम मूरत थी। उन्होंने विभिन्न सामाजिक कार्यों एवं धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर भाग लिया एवं जीवनपर्यन्त समाज के असहाय एवं जरुरतमंद व्यक्तियों की तन–मन–धन से सेवा की।

नाथद्वारा के आराध्य श्री नाथ जी में आपकी पूर्ण आस्था थी। अपने परिवार को माला की तरह एक सूत्र में बांधे रखा एवं सभी को आदर्श जीवन की सीख प्रदान की। आप एक शिक्षित समाज की पक्षधर थी इसी क्रम में आपने उदयपुर की लोकप्रिय शिक्षा संस्था एम. डी. एकेडमी की स्थापना की, जो समाज के सभी वर्गों के बालकों की उत्कृष्ट शिक्षा का स्त्रोत बना हुआ है।

आपकी स्मृतियां हमारे हृदय पटल पर सदैव अंकित रहेंगी ।

शत्-शत् नमन

शांतिलाल शर्मा (गौड़)

(सेवानिवृत्त – कृषि पर्यवेक्षक)

जन्म 21 अक्टूबर 1943

सुपुत्र स्व. औंकारलाल जी शर्मा

बेगू, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

(शासन–राणोलिया, गोत्र–बृहस्पति)

समाज सेविका,
विदूषी एवं प्रेरणादात्री
स्व. श्रीमती मीना देवी शर्मा
की पावन स्मृति में
श्री शांतिलाल जी शर्मा द्वारा
इस स्मारिका एवं
सर्व ब्राह्मण गोत्रावली
का प्रकाशन किया गया है।
स्व. मीनादेवी के चरणों में
इस संग्रहणीय पुस्तक को
सादर समर्पित करते हैं।

निवास : 532 एम–13, अम्बामाता स्कीम,
उदयपुर– 313001. फोन 91–93144 56154

सादर समर्पित

वरिष्ठ समाजसेवी श्री शांतिलाल जी शर्मा प्रखर एवं निर्भीक समाज सुधारक, लोक-हित चिन्तक एवं समस्त ब्राह्मण समाज के उद्गम, उत्थान, विकास तथा गोत्र आदि के जानकार हैं। आपने समाज के कमजोर वर्ग के विकास व उत्थान के लिए नाथद्वारा, उदयपुर एवं आस-पास के क्षेत्रों में समाज कल्याण की विविध गतिविधियों जैसे युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामुहिक विवाह आदि के अनेक सफल आयोजन सम्पन्न कर प्रदेश में समाज को नई पहचान दिलाई है।

राज्य के चित्तौड़, भीलवाड़ा, राजनगर (समस्त मेवाड़ क्षेत्र) उदयपुर, नाथद्वारा आदि जिलों में आदि गौड़ ब्राह्मणों में परिचय, मेल मिलाप के लिए विभिन्न आयोजन में प्रमुख वक्ता एवं मुख्य अतिथि बन कर सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं।

राज्य से बाहर के ब्राह्मण समाज के उच्च पदों पर कार्यरत लोगों को भी मुख्यधारा से जोड़ने एवं परिचय के लिए कार्यरत हैं।

आप समाज की कुरीतियों को मिटाने एवं नवाचार के पक्षधर हैं. विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं व्हाट्सएप ग्रुप में निरंतर समाजोपयोगी लेखन करते रहते हैं तथा सामाजिक स्वाभिमान को बनाए रखने के हर कार्य को बखूबी निभाते हैं। राजस्थान की परम्परागत चित्रकला शैली के जानकार हैं।

बुजुर्गों एवं कैंसर जैसे असाध्य रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी आप मुक्त हस्त से निरंतर सहायता प्रदान करने में अग्रणी हैं।

विकसित एवं स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा अति आवश्यक है, आपका शिक्षा के क्षेत्र में भी सराहनीह योगदान है।

सरकारी सेवा से रिटायरमेंट के बाद से लेकर अब तक अपनी आयु के 78 वें वर्ष में भी समाज सेवा के विभिन्न आयामों में बहुत सक्रिय रहते हैं, इसी परिश्रम का उदाहरण यह पुस्तक अब आपके सामने है। आशा करते हैं कि सर्व ब्राह्मण गोत्रावली की यह पुस्तक पाठकों को ब्राह्मणों के गोत्र आदि के विषय में ज्ञानवर्धक होगी एवं नई पीढ़ी को अपनी सही पहचान जानने में सहायक होगी।

पारिवारिक विवरण

शान्तिलाल जी – स्व. श्रीमती मीना देवी शर्मा

सतीश–रेखा शर्मा
(पुत्र–पुत्रवधू)

मिलन, अर्नव,
जतिन (पौत्र)

प्रबंधक,
एम.डी. एकेडमी

रविशंकर–अनिता शर्मा
(पुत्र–पुत्रवधू)

कनिष्का (पौत्री)
कृष्णा (पौत्र),

CAD Designer एवं परम्परागत
चित्र शैली के विख्यात चित्रकार

कपिल–बेनु शर्मा
(पुत्र–पुत्रवधू)

कविन, (पौत्र),
घृति (पौत्री)

संचालक,
एम.डी. एकेडमी

रेखा–संजय शर्मा
(पुत्री–दामाद)

उज्जवल (दोहिता)
मितिषा (दोहिती)

निवासी
भीलवाड़ा

• संजू–स्व. ममता गौड़ (भतीजा–वधू) • नन्दकिशोर–पुष्पा गौड़ (बहन–बहनोई)

• स्व. भुवनेश्वर–मधु शर्मा, स्व. तुलसीदास जी, हेमन्त–पुष्पा, गोकुल–मन्जू (सालाजी – सलहज)

शांतिलाल शर्मा एवं समस्त परिवारजन
532 एम–13, अम्बामाता स्कीम, उदयपुर– 313001
फोन : 0294–2431985, 91–93144 56154

शुभकामनाओं सहित

डॉ. हरगोविन्द गौड़

M.A., M.L.I.Sc, Ph.D.,
(सेवानिवृत्त पुस्तकालयाध्यक्ष, वनस्थली विद्यापीठ, राज.)

पुत्र : श्री रतनलाल गौड़
पौत्र : श्री सुन्दरलाल गौड़

मूल निवास : ग्राम दरगवां, तहसील मंडरायल, जिला करौली, राजस्थान

धर्मपत्नी : श्रीमती रामपति गौड़ प्राथमिक शिक्षा

पुत्री : रेखा शर्मा M.Sc., M.Tech., Ph.D., Comp. Sc.
प्रोफेसर, ठाकुर इंजीनियरिंग कॉलेज, मुम्बई

दामाद : श्री राजेश शर्मा C.A., मुम्बई

पुत्र : • दीपक गौड़ B.E., M.Tech.
इंजीनियर- इंडियन रेलवे

पुत्र वधू : • स्व. श्रीमती ऋचा गौड़ M.C.A.

पुत्र : • रवि गौड़ M.Sc., Comp. Sc.
Assist Manager Soft. Co. Jaipur

पुत्र वधू : • डॉ. सोनू गौड़ M.A., M.Phil, M.Ed., Ph.D.
असिस्टेंट प्रोफेसर, सुबोध कन्या शिक्षा महाविद्यालय, जयपुर

पुत्र : • डॉ. ओमप्रकाश गौड़
M.A., Ph.D., Yoga - Aum Yoga Centre, GOA

पुत्र वधु : • श्रीमती तपस्या गौड़ B.A., B.Ed.

वर्तमान निवास : 86/238, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर,
सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन : 91-93146 63550

डॉ. हरगोविन्द गौड़ के दादाजी
श्री सुन्दरलाल गौड़ के बड़े भ्राता
श्री भवानी गौड़

द्वारा तत्कालीन करौली रियासत में आदि गौड़ ब्राह्मण समाज के अस्तित्व की पहचान एवं प्रमाणीकरण हेतु दायर वाद में उनके पक्ष में आए एतिहासिक फैसले से आदि गौड़ ब्राह्मण समाज को अपनी पहचान की नींव सुदृढ़ बनाने में सहयोग मिला.

करौली रियासत बनाम स्व. श्री भवानी गौड़
के बीच उक्त वाद में आदि गौड़ ब्राह्मण समाज के
पक्ष में आए फैसले के
ऐतिहासिक दस्तावेज की एक झलक

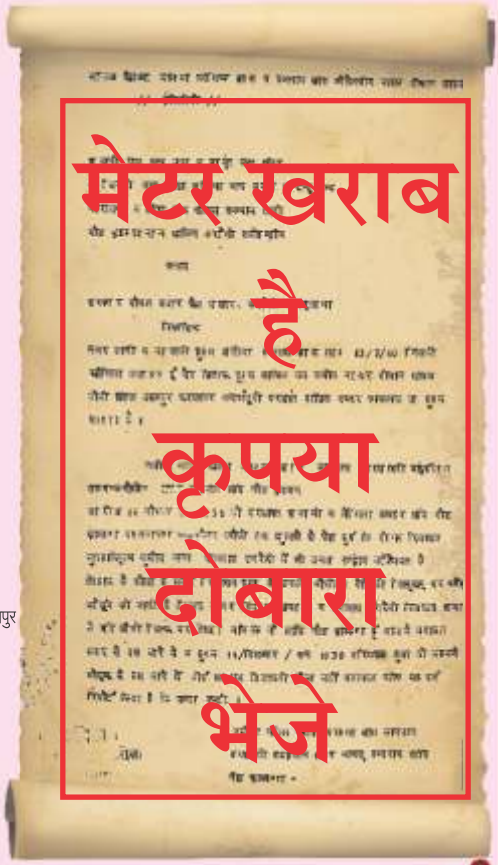

सन्देश

सन्देश

सन्देश

सन्देश

सन्देश

प्रतिदिन स्मरण योग्य शुभ सुंदर मंत्र। संग्रह

गणपति स्तोत्र

गणपतिः विघ्नराजो लम्बतुन्ड़ो गजानन:।
द्वै मातुरश्च हेरम्ब एकदंतो गणाधिप:।।
विनायक: चारूकर्ण: पशुपालो भवात्मज:।
द्वादश एतानि नामानि प्रात: उत्थाय य: पठेत।।
विश्नम तस्य भवेद् वश्यम् न च विघ्नम् भवेत् क्कचित्।

विघ्नेश्वराय वरदाय शुभप्रियाय।
लम्बोदराय विकटाय गजाननाय।।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय।
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते।।

शुक्लाम्बरधरं देवं शशिवर्णं चतुर्भुजं।
प्रसन्नवदनं ध्यायेतसर्वविघ्नोपशान्तये।।

सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वींणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपदमासना।।
या ब्रह्माच्युतश'रप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा माम पातु सरस्वती भगवती
निःशेषजाड्याऽपहा।।

प्रात: कर-दर्शनम्

कराग्रे वसते लक्ष्मी करमध्ये सरस्वती।
करमूले तू गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम।।

पृथ्वी क्षमा प्रार्थना

समुद्र वसने देवी पर्वत स्तन मंडिते।
विष्णु पत्नी नमस्तुभ्यं पाद स्पर्शं क्षमश्चमेव।।

त्रिदेवों के साथ नवग्रह स्मरण

ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च।
गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम।।

श स्नान मन्त्र श

गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिन्धु कावेरी जले अस्मिन् सन्निधिम् कुरु।।

सूर्यनमस्कार

ॐ सूर्य आत्मा जगतस्तस्युषश्च
आदित्यस्य नमस्कारं ये कुर्वन्ति दिने दिने।
दीर्घमायुर्बलं वीर्यं व्याधि शोक विनाशनम्
सूर्य पादोदकं तीर्थ जठरे धारयाम्यहम।।

ॐ मित्राय नमः
ॐ रवये नमः
ॐ सूर्याय नमः
ॐ भानवे नमः
ॐ खगाय नमः
ॐ पूष्णे नमः
ॐ हिरण्यगर्भाय नमः
ॐ मरीचये नमः
ॐ आदित्याय नमः
ॐ सवित्रे नमः
ॐ अर्काय नमः
ॐ भास्कराय नमः
ॐ श्री सवितृ सूर्यनारायणाय नमः

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीदमम् भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तु ते।।

दीप दर्शन

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोऽस्तु ते।।

दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोऽस्तु ते।।

आदिशक्ति वंदना

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते।।

शिव स्तुति

कर्पूर गौरम करुणावतारं,
संसार सारं भुजगेन्द्र हारं।
सदा वसंतं हृदयार विन्दे,
भवं भवानी सहितं नमामि।।

विष्णु स्तुति

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभा'म्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यम्
वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम।।

श्री कृष्ण स्तुति

कस्तुरी तिलकम ललाटपटले, वक्षस्थले कौस्तुभम।
नासाग्रे वरमौक्तिकम करतले, वेणु करे कंकणम।।
सर्वांगे हरिचन्दनम सुललितम, कंठे च मुक्तावलि।
गोपस्त्री परिवेश्तिथो विजयते, गोपाल चूडामणी।।

मूकं करोति वाचालं पंगुं लंघयते गिरिम।
यत्कृपा तमहं वन्दे परमानन्द माधवम।।

श्रीराम वंदना

लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं
रघुवंशनाथम्।
कारुण्यरूपं करुणाकरं तं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये।।

श्रीरामाष्टक

हे रामा पुरुषोत्तमा नरहरे नारायणा केशवा।
गोविन्दा गरुड़ध्वजा गुणनिधे दामोदरा माधवा।।
हे कृष्ण कमलापते यदुपते सीतापते श्रीपते।
बैकुण्ठाधिपते चराचरपते लक्ष्मीपते पाहिमाम।।

आदौ रामतपोवनादि गमनं हत्वा मृगं कांचनम्।
वैदेही हरणं जटायु मरणं सुग्रीवसम्भाषणम।।
बालीनिर्दलनं समुद्रतरणं लंकापुरीदाहनम्।
पश्चाद्रावण कुम्भकर्णहननं एतद्धि श्री रामायणम।।

हनुमान वंदना

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहम।
दनुजवनकृषानुम् ज्ञानिनांग्रगणयम।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम।
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।

मनोजवं मारुततुल्यवेगम जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठं।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणम् प्रपद्ये।।

स्वस्ति-वाचन

ॐ स्वस्ति न इंद्रो वृद्धश्रवाः
स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः।
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः
स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु।।

शांति पाठ

ऊँ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।।

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष (गुँ) शान्तिः,
पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः।
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः,
सर्व (गुँ) शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि।।

।।ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

बहुत ही सुंदर संग्रह
इसे हर हिन्दू को अपने 'saver' में डाले या प्रिंट आउट ले। ऐसा संग्रह सरलता से नही मिलता।
एक प्रति परिवार के बच्चों को भी दे।

भारत की संस्कृति को पहचाने

खासकर अपने बच्चो को बताए क्यों कि ये बात उन्हें कोई नहीं बताएगा...

दो पक्ष

1-कृष्ण पक्ष 2-शुक्ल पक्ष

जतीन ऋण

1-देवऋण2-पितृऋण 3-ऋषिऋणथ

चार युग

1-सतयुग 2-त्रेतायुग
3-द्वापरयुग 4-कलियुगथ

चार धाम

1-द्वारिका 2-बद्रीनाथ
3-जगन्नाथपुरी 4-रामेश्वरमधामथ

चार पीठ

1-शारदा पीठ (द्वारिका)
2-ज्योतिष पीठ (जोशीमठ बद्रिधाम)
3-गोवर्धन पीठ (जगन्नाथपुरी)
4-शृंगेरीपीठथ

चार वेद

1-ऋग्वेद 2-अथर्ववेद
3-यजुर्वेद 4-सामवेद!

अचार आश्रम

1-ब्रह्मचर्य 2-गृहस्थ
3-वानप्रस्थ 4-संन्यासथ

चार अंत:करण

1-मन 2-बुद्धि
3-चित्त 4-अहंकारथ

पञ्च गव्य

1-गाय का घी 2-दूध दही
3-गोमूत्र 4-गोबरथ

पञ्च देव

1-गणेश 2-विष्णु 3-शिव
4-देवी 5-सूर्य

पंच तत्त्व

1-पृथ्वी 2-जल 3-अग्नि(तेज)
4-वायु 5-आकाशथ

छह (षट्दर्शन) दर्शन

1-वैशेषिक 2-न्याय 3-सांख्य
4-योग 5-पूर्व मिसांसा
6-उत्तर मिसांसाथ

सप्त ऋषि

1-विश्वामित्र 2-जमदाग्नि 3-भरद्वाज
4-गौतम 5-अत्री 6-वशिष्ठ और कश्यपथ

सप्त पुरी

1-अयोध्यापुरी 2-मथुरापुरी
3-मायापुरी (हरिद्वार) 4-काशीपुरी
5-कांचीपुरी (शिन कांची-विष्णु कांची)
6-अवंतिकापुरी 7-द्वारिकापुरीथ

आठ योग

1-यम 2-नियम 3-आसन
4-प्राणायाम 5-प्रत्याहार 6-धारणा
7-ध्यान एवं 8-समाधिथ

आठ लक्ष्मी

1-आग्घ 2-विद्या 3-सौभाग्य
4-अमृत 5-काम 6-सत्य 7-भोग
8-योग लक्ष्मी

नव दुर्गा

1-शैल पुत्री 2-ब्रह्मचारिणी
3-चंद्रघंटा 4-कुष्मांडा 5-स्कंदमाता

6-कात्यायिनी 7-कालरात्रि
8-महागौरी एवं 9-सिद्धिदात्रीथ

दस दिशाएं

1-पूर्व 2-पश्चिम 3-उत्तर 4-दक्षिण
5-ईशान 6-नैऋत्य 7-वायव्य
8-अग्नि 9-आकाश 10-पाताल

मुख्य 11 अवतार

1-मत्स्य 2-कश्यप 3-वराह
4-नरसिंह 5-वामन 6-परशुराम
7-श्री राम 8-कृष्ण-बलराम
10-बुद्ध एवं 11-कल्किथ

बारह मास

1-चैत्र 2-वैशाख 3-ज्येष्ठ 4-अषाढ
5-श्रावण 6-भाद्रपद 7-अश्विन
8-कार्तिक 9-मार्गशीर्ष 10-पौष
11-माघ 12-फागुन

बारह राशी

1-मेष 2-वृषभ 3-मिथुन 4-कर्क
5-सिंह 6-कन्या 7-तुला 8-वृश्चिक
8-धनु 10-मकर 11-कुंभ
12-कन्याथ

बारह ज्योतिर्लिंग

2-मल्लिकार्जुन 3-महाकाल
4-ओमकारेश्वर 5-बैजनाथ
6-रामेश्वरम 7-विश्वनाथ 8-त्र्यंबकेश्वर
9-केदारनाथ 10-घुष्मेश्वर
11-भीमाशंकर ,12-नागेश्वर!

पंद्रह तिथियाँ

1-प्रतिपदा 2-द्वितीय 3-तृतीय
4-चतुर्थी 5-पंचमी 6-षष्ठी 7-सप्तमी
8-अष्टमी 9-नवमी 10-दशमी
11-एकादशी 12-द्वादशी
13-त्रयोदशी 14-चतुर्दशी
15-पूर्णिमा, अमावास्या

स्मृतियां

1-मनु 2-विष्णु 3-अत्री 4-हारीत
5-याज्ञवल्क्य 7-उशना 7-अंगीरा
8-यम 9-आपस्तम्ब 10-सर्वत
11-कात्यायन 12-ब्रहस्पति
13-पराशर 14-व्यास 15-शांख्य
16-लिखित 17-दक्ष 18-शातातप
19-वशिष्ठ

इस पोस्ट को अधिकाधिक शेयर करें जिससे सबको हमारी संस्कृति का ज्ञान होथ

सुप्रभात

शुभ दिन के साथ

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज - संक्षिप्त परिचय

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज संस्था के गठन का विचार सर्वप्रथम 1955 में आया जिसमें संस्था के प्रचार प्रसार हेतु जीवन जागृति के नाम से पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया। कुछ समय पश्चात पत्रिका का प्रकाशन बन्द हो गया।

संस्था को आगे बढाने हेतु 1959 में तीर्थस्थली भर्तृहरि में समाज के कार्य को आगे बढ़ाने का प्रयास समाज के कुछ बन्धुओं ने किया। 1965 में 5 सदस्यों की एक समिति का गठन कर कार्य को आगे बढ़ाया व 1968 में समिति का विस्तार कर 7 सदस्यों की कार्यकारिणी बनाई। इसी का आगे विस्तार कर 1970 में 11 सदस्यीय कार्यकारिणी बनी जिसके अथक परिश्रम से अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज की स्थापना समाज के हितैषी एवं विचारकों पं. बाबू लाल वाजपेयी, पं. भगवान सहाय पांडेय, पं. गिरधारी लाल भारद्वाज, पं. गोपीचंद मिश्र, पं. चाँदनारायण तिवारी तथा अन्य समाजसेवियों के अथक प्रयासों से हुई थी जिसका रजिस्ट्रेशन दिनांक 28 जनवरी, 1974 को हुआ एवं रजि. क्रमांक 217/1974 है।

जैसा कि नाम से स्पष्ट है संस्था का कार्यक्षेत्र संपूर्ण भारतवर्ष है और पूरे भारत में संस्था के सदस्य हैं।

संस्था की विकास यात्रा अनवरत रूप से समाज के सहयोग से निरंतर आगे चल रही है। इसके तहत सामाजिक सम्मेलन, विद्वित सम्मान, सामुहिक यग्योपवित संस्कार, प्रतिभा सम्मान तथा समयानुकूल विषयों पर विचार गोष्ठी व उत्सवों का आयोजन एवं समाज हित के रचनात्मक कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते आ रहे हैं। इसकी 30 से अधिक शाखाएं विभिन्न स्थानों पर कार्य कर रही हैं।

वर्तमान व भावी पीढ़ी को अपने शासन गोत्र व पदवी कुलदेवी वेद प्रवर आदि का ज्ञान हो सके इस हेतु सर्व ब्राह्मण गोत्रावली नामक ग्रंथ का भी प्रकाशन अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज ने कराया है। इसका प्रथम संस्करण 1997, द्वित्तीय संस्करण 1995, तृतीय संस्करण 2006 में प्रकाशित हुआ। इसके लिए भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री डॉ. शंकरदयाल शर्मा ने आशीर्वाद दिया। इसका प्रकाशन लगभग 20 वर्षों के अनवरत प्रयासों से सम्पन्न हो पाया। इसके लिये अनेक ग्रन्थ जैसे पुराणों स्मृति ग्रंथों एवं अनेक ऋषियों महाऋषियों द्वारा प्रतिपादित धर्म ग्रंथो व अन्य गोत्रावलियों का सहयोग लिया गया, ताकि प्रमाणिकता सिद्ध हो सके। यह गोत्रावली काफी लोकप्रिय रही है। मांग अभी बरकरार है। अतः इसका नवीन व संशोधित चतुर्थ संस्करण आपके सम्मुख प्रस्तुत है।

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज की विकास यात्रा निम्नानुसार रही है जिसमें समाज के विभिन्न महानुभावों का अतुल योगदान रहा है :

पं. बाबूलाल वाजपेयी जी ने कभी महामंत्री व कभी कोषाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी

का निर्वहन कर इस संस्था को मजबूती प्रदान करने का काम जीवनपर्यंत किया। उनका अतुलनीय योगदान समाज हित में रहा है। उस समय की परिस्थितियों के अनुकूल समाज की इस संस्था के 1977-1978 तक पं. गोपीचन्द मिश्रा, पं. तेजपाल भारद्वाज, अलवर, अध्यक्ष व पं. चाँदनारायन तिवारी, मंत्री रहे। 1978-1979 से 1979-1980 तक पं. मणिलाल भारद्वाज, अध्यक्ष व पं. सूरजनारायण सांगानेरी, मंत्री रहे। 1980-1981 से 1983-1984 तक पं. चांदनारायण तिवारी, जयपुर, अध्यक्ष व पं. बाबूलाल वाजपेयी, मंत्री रहे। 1984-1985 से 1989-1990 तक पं. गोपीचंद मिश्रा, अध्यक्ष व पं. मुकुट बिहारी शर्मा, पं. श्री दीनदयाल तिवारी ने मंत्री पद संभाला। 1990 से 1993 तक पं. विषुध्यानंद शास्त्री, अलवर, अध्यक्ष व पं. दीनदयाल तिवारी, जयपुर मंत्री थे। 1993 से 2009 तक पं. राम नारायण दीक्षित, जयपुर, पं. श्यामलाल तिवाड़ी, भरतपुर, पं. श्रीचंद गौड़, जुरहरा पं. टोडरमल शर्मा, उपाध्यक्ष एवं पं. जयप्रकाश जैमिनी, फ़रीदाबाद, पं. सत्यनारायण शर्मा, करौलीबाले, अध्यक्ष एवं पं. महेंद्र कुमार जैमिनी, जयपुर, पं. हरिमोहन शर्मा, पं. ओमप्रकाश शास्त्री महामंत्री रहे। 2009 से 2018 पं. भगीरथ शर्मा, अध्यक्ष व पं. अशोक गौड़ महामंत्री रहे। इसके बाद 2018 से डॉ. हरगोविन्द गौड़, अध्यक्ष व वैद्य श्री सत्यनारायण शर्मा महामंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान कार्यकारिणी का गठन दिनांक 12 जनवरी, 2020 को चित्रगुप्त भवन, कायस्थों की बगीची, जयपुर में संपन्न हुए अधिवेशन में किया गया था जिसमें देश के विभिन्न स्थानों से समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व रहा।

वर्तमान परिपेक्ष में संस्था के उदेश्यों को नए सिरे से निर्धारित किया गया है जो निम्नानुसार हैं :

1. समाज में प्रेम व एकता के साथ पारस्परिक सहायता का भाव जागृत करना।
2. समाज को शिक्षा के प्रति जागृत करना।
3. स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देना।
4. प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।
5. आर्थिक रूप से कमजोर छात्र - छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना।
6. समाज में प्रचलित कुरीतियों को दूर करने का प्रयास करना।
7. समाज में पवित्र संस्कारों के निमित्त कार्यक्रम आयोजित करना।
8. समाज में नव युवक - युवतियों में सेवा भाव जागृत करना।
9. समाज को उन्नत एवं वैभव संपन्न बनाने का प्रयास करना।
10. समाज की पत्रिका ब्राह्मण ज्योति दीपशिखा को नियमित प्रकाशित करना।

सभी समाज बंधुओं से विनम्र अपील है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को शिक्षित बनाने के साथ यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि कोई भी बच्चा अशिक्षित ना रहे। इस

क्रम में संस्था ने एक शिक्षा - निधि स्थापित करने का प्रस्ताव किया है जिससे हमारे समाज के प्रतिभावान आर्थिक रूप से कमजोर बालक - बालिकाओं को पढ़ने में आर्थिक सहायता प्रदान की जा सके। संस्था द्वारा किये जाने वाले कार्य हम सभी के सहयोग से ही संभव हो पाएंगे अतः समाज के भामाशाह बन्धुओं से करवद्ध निवेदन है कि इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक तन मन धन से सहयोग प्रदान करें।

सामाजिक उत्थान हेतु विचारों को समाज के बन्धुओ तक पहुचने के लिए संस्था द्वारा वर्ष 1976 से ब्राह्मण ज्योति दीपशिखा पत्रिका का प्रकाशन उतार चढ़ाव के साथ अनवरत रूप से किया जा रहा है। जिसका रनिस्ट्रेशन संख्या ग -16 (132)76 है पत्रिका में सांस्कृतिक, आर्थिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक चेतना को आवश्यक अंग मानकर स्वास्थ्य, साहित्य, कला, महिला परिशिष्ठ के साथ सामाजिक गतिविधियों को समाविष्ट किया जाता है। पत्रिका का वितरण डाक द्वारा व स्थानीय स्तर व्यक्तिगत रूप से किया जाता है।

दिनांक 14 अगस्त 1981 को ततकालीन राज्यपाल श्रीमान श्री के. डी. शर्मा ने अपने संदेश में ब्राह्मण ज्योति दीप शिखा के सम्बंध में निम्न विचार प्रस्तुत किये - यह जानकर मुझे हर्ष हुआ कि अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा प्रकाशित ब्राह्मण ज्योति दीप-शिखा पत्रिका हमारे समाज में बालकों, किशोरों और युवकों को देश की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रगाढ़ करने का सतत प्रयास कर रही है। आदि गौड़ ब्राह्मण समाज एक विशाल वटवृक्ष के समान है। इसकी शाखाएं अलग अलग होते हुए भी वृक्ष का मूल एक ही है।

इसलिये समस्त ब्राह्मण समाज बंधुयों को भेदभाव भुलाकर संगठित होकर परस्पर प्रेम से जीवन व्यतीत करना चाहिए। मुझे विस्वास है कि गौड़ ब्राह्मण समाज अपने नित्यक्रम, व्यवहार अध्ययन, कर्तव्यनिष्ठा और आचरण से आगे बढ़ता रहेगा और भारतीय संस्कृति का पुनरुत्थान करने में सहायक होगा।

संस्था समाज बंधुओं की है इसके संबन्ध में कोई बात करनी हो या सुझाव देना चाहें तो बिना किसी संकोच के नीचे दिये मोबाइल नम्बरों व ई-मेल पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जय परशुराम।

डॉ. हरगोविन्द गौड़
अध्यक्ष
अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज
मोबाईल नं.: 9314663550, 8741875664
E-mail ID : hggaur@gmail.com

अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज - कार्यकारिणी

संरक्षक

पं. रमेश चन्द वाजपेयी (जयपुर, राजस्थान)
पं. ब्रह्मदत्त जैमिनी (दिल्ली)
पं. जयप्रकाश जैमिनी (फरीदाबाद, हरियाणा)
पं. शांतिलाल गौड़ (उदयपुर, राजस्थान)
पं. हरिबाबू शर्मा (टाटा) (हिण्डौन, राजस्थान)

संयोजक

पं. अशोक गौड़ (जयपुर, राजस्थान)

अध्यक्ष

पं. डॉ. हरगोविंद गौड़ (जयपुर, राजस्थान)

उपाध्यक्ष

पं. अशोक सुरोलिया (जयपुर, राजस्थान)
पं. शिवदत्त वशिष्ठ (गुरूग्राम, हरियाणा)
पं. मांगी लाल गौड़ (बारां, राजस्थान)
पं. हरिमोहन शर्मा (भरतपुर, राजस्थान)
पं. मुन्ना लाल गौड़ (सबलगढ़, मध्य प्रदेश)

उपाध्यक्ष

पं. वैद्य सत्यनारायण शर्मा (जयपुर, राजस्थान)

मंत्री

(रिक्त)

संयुक्त मंत्री

पं. शिव नारायण गौड़ (भरतपुर, राजस्थान)
पं. जगदीश प्रसाद शर्मा (हिण्डौन, राजस्थान)
पं. सत्य प्रकाश दीक्षित (धौलपुर, राजस्थान)
पं. चिरोंजी लाल शर्मा (इंदौर,मध्य प्रदेश)
पं. बृजेश गौड़ (करौली, राजस्थान)
पं. मुकेश पराशर (अलवर, राजस्थान)

कोषाध्यक्ष

पं. शंभु दयाल जैमिनी (जयपुर, राजस्थान)

निरीक्षक

पं. रमेश चंद्र गौड़ (जयपुर, राजस्थान)

सांस्कृतिक मंत्री

पं. डॉ. गिर्राज प्रसाद शर्मा (जयपुर, राजस्थान)

प्रधान संपादक (ब्राह्मण ज्योति दीपशिखा पत्रिका)

पं. ओम प्रकाश शास्त्री (जयपुर, राजस्थान)

प्रबन्ध संपादक

(रिक्त)

संगठन मंत्री

पं. सुरेश चंद गौड़ (जयपुर, राजस्थान)

प्रचार मंत्री

पं. महेंद्र कुमार गौड़ (जयपुर, राजस्थान)
पं. हरीश कुमार शर्मा (जयपुर, राजस्थान)

जनसंपर्क मंत्री

पं. सुरेंद्र कुमार शर्मा (जयपुर, राजस्थान)

विधि सलाहकार

पं. अनिल कुमार शर्मा (एडवोकेट)(जयपुर, राजस्थान)

सलाहकार

पं. बृजमोहन गौड़ (राजगढ़, मध्य प्रदेश)
पं. मुकेश जैमिनी (जयपुर, राजस्थान)

महिला प्रतिनिधि

श्रीमती सपना भारद्वाज (अलवर, राजस्थान)
श्रीमती मंजू गौड़ (कोटा, राजस्थान)
श्रीमती ममता जैमिनी (जयपुर, राजस्थान)
श्रीमती साधना गौड़ (झालरापाटन, राजस्थान)
कु. नीलिमा शर्मा (हरदा, मध्यप्रदेश)
श्रीमती दीपा गौड़ (झोटवाड़ा, राजस्थान)
श्रीमती दया अग्निहोत्री (जयपुर, राजस्थान)
श्रमती प्रेमलता शर्मा (जयपुर, राजस्थान)
श्रीमती सुमन शर्मा (अजमेर, राजस्थान)
श्रीमती सविता सांगानेरी (जयपुर, राजस्थान)

इकाई प्रभारी

पं. देवेन्द्र गौतम (मुंबई, महाराष्ट्र)
पं. सुरेश शर्मा (बैन्गलुरू, कर्नाटक)
पं. कैलाश शर्मा (चेन्नई, तमिलनाडु)
पं. मोहनलाल शर्मा (हैदराबाद, आन्ध्रप्रदेश)

कार्यकारिणी सदस्य

पं. रमेश चंद्र शर्मा (दिल्ली)
पं. नवल भारद्वाज (कोटा, राजस्थान)
पं. संदीप भारद्वाज (धोलागढ़, हरियाणा)
पं. राज कुमार शर्मा (जयपुर, राजस्थान)
पं. सुरेन्द्र शर्मा (अहमदाबाद, गुजरात)

श्रादिगौड़ ब्राम्हणोत्पत्ति

प्रस्तोता:-कोषाध्यक्ष
पं. बाबूलाल वाजपेयी
अ.भा.ब्रा.आ.गौ. ब्रा. समाज

आदि गौड़ ब्राह्मणों का एक मुख्य पद है ''गौड़ सम्प्र-दाय'' जिनका गमना-गमन दूसरे देशों में नहीं हुआ वस्तुत: गौड़ कहिये जाकर उनके नाम में इस ''आदि काल से गौड़ ब्राह्मण ये ही है'' अर्थात् इनकी सृष्टुत्पत्यादि के समय से ब्राह्मण सज्ञायें बन्धने के समय तक जाति अपरिवर्तनशील थी या यों कहिये कि जिनकी स्थिति व कर्मादि में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं हुआ वे आदि गौड़ कहलाये पं. लक्ष्मण प्रसाद जी आचार्य ने हमें ऐसी संपत्ति दी कि सृष्टि की आदि में जो ब्राह्मण थे वे आदि गौड़ कहलाये अर्थात् जो सृष्टि की आदि से शुद्ध सदाचारी जितेन्द्रिय, शम, दम दया युक्त थे वे आदि गौड़ कहाये। पं शिवनारायण जी ने दम्भदर्पण पृष्ठ 55 में लिखा है कि ऐसा किम्वदन्ति है कि ''पहिले गौड़ पीछे और'' सम्पूर्ण ब्राह्मण आदि कौन से निकले हैं ऐसा सिद्ध होता है। पुनश्च

आदिशद्धोपाधिदत्ता ब्राह्मणास्तु स्वयं भुव्रा।
वेदोपि दतस्ते नैव ह्मदि गौड़स्तुतोमत:।।

अर्थात् जिन गौड़ ब्राह्मणों को ब्रह्मा जी ने आदि में वेद पढ़ाया। वे आदि गौड़ ब्राह्मण कहलाये।

प्राचीन काल से स्यमन्त पत्र्चक राम छद तीर्थ के तीर्थ पुरोहित भी गौड़ ब्राह्मण चले आ रहे हैं वे ही कुरुक्षेत्रवासी उपाधीधारी गौड़ दूर देशों में जाकर आदि गौड़ कहलाये।

अतएव आदि गौड़ का आदि मुख्य कुरूक्षेत्र प्रसिद्ध हुआ। जिसके सम्बद्ध हुआ, जिसके सम्बन्ध में ऐसा लेख मिलता है कि:-

ब्रह्मवेदि:-कुरूक्षेत्र पत्र्चराम हृदान्तरम्।
धर्मक्षेत्र कुरूक्षेत्र द्वादर्श योजनावधि ।। महाभारत

भावार्थ:- जहां परशुराम जी महाराज का स्थापित किया स्यमन्त पत्र्चक तीर्थ स्थान है, अथवा जो कौरव पाण्डुवों के महाभारत युद्ध भी पवित्र भूमि है उसको धर्मक्षेत्र व कुरूक्षेत्र भी कहते हैं। जिसका आजकल का प्रसिद्ध नाम दिल्ली मंडल है अतएव सिद्ध हुआ कि दिल्ली मण्डल के रहने वाले आदि गौड़ ब्राह्मण है।

(ब्राह्मण निर्णय के सौजन्य से)

आदि गौड़ ब्राह्मणों की उत्पत्ति

सृष्टि निर्माणोपरान्त शिष्ट आचार-विचार, शिक्षा संस्कृति एवं पवित्र यज्ञादिक प्रारम्भ किए जाने के समय ब्रह्मवेता वेदज्ञ, तपस्वी, सदाचारी, शुद्धाचरण ईश्वरभक्त ब्राह्मण मानकर सर्वप्रथम आचार्य (आदि-गुरु) जिन्हें बनाया गया, वस्तुत:आदि गौड़ ब्राह्मण थे। आदि गौड़ ब्राह्मणों के मूल स्थान के बारे में महाभारत में लिखा है -

ब्रह्मवेदी कुरू क्षेत्र पंच राम हृदान्तरम् ।
धर्म क्षेत्र कुरू क्षेत्र द्वादश योजनावधि ।।

कालान्तरण में उसी ग्राम को (गुरु-ग्राम) गुडगाँव या गौड़ ग्राम कहा जाने लगा। जो इस समय दिल्ली (इंद्रप्रस्थ-हस्तिनापुर) के पास हरियाणा प्रांत में है। यह इस बात से भी स्पष्ट होता है कि आदि गौड़ ब्राह्मण कुरुक्षेत्र के समीपस्थ क्षेत्रों से अवतरित हुए है-

आदौ ये ब्राह्मणाः जाता ब्रह्मक्षेत्रे तपोधनाः।
सर्व वेद विदो लोके सदाचार प्रवर्तकाः।।

श्वेत वराह कल्प के आधार पर कुरुक्षेत्र के भू-भाग में जो ब्रह्मविद वेदपाठी तपस्वी ब्राह्मण रहते थे वे ही आदि गौड़ ब्राह्मण हैं -

गौड़ देशं समारभ्य भुवने शान्तेग शिवे।
गौड़ देश: समाख्यात: सर्व विद्या विशारदाः।।
कुरुक्षेत्र च मत्स्यश्च वच्चाला: शूरसेन काः।
एषः ब्राह्मर्षि देश वै ब्रह्मावर्तादनन्तरः।।

जो वेद वेदांगो की समस्त विद्याओं में पारंगत विद्वान हैं जिनसे कल्याणं एवं शान्ति प्राप्त होती है, जिनको ब्रह्मदेश में रहने वालों के नाम से पुकारा जाता है। ये भूमि क्षेत्र, कुरुक्षेत्र, मत्स्य, पांचाल (पाञ्चाल) तथा शूरसेन आदि नामों से जाने जाते है और इन क्षेत्रों में रहने वाले ही आदि गौड़ ब्राह्मण है।

आदि गौड ब्राह्मणों के आदि प्रवर्तक 'ब्राह्मणोत्पति मार्तण्ड' के आधार पर 'गालव' ऋषि बताए जाते है। ब्रह्मा के ब्रह्मार्षि नामक पुत्र हुआ और उनके पारब्रह्म नामक पुत्र हुआ। जिनके कृपाचार्य पुत्र हुए। कृपाचार्य के दो पुत्र हुए उनमें छोटे पुत्र का नाम शक्ति था। शक्ति के प्रथम पुत्र पाराशर, दूसरा सारस्वत और तीसरा पुत्र गालव हुए उनके वंशज गौड़ ब्राह्मण हुए।

गालव ऋषि की एक तपस्थली जयपुर शहर के निकट गलता जी में रही है। जो अब गलता-तीर्थ के नाम से विख्यात है। अत: आदि गौड़ ब्राह्मणों का मूल स्थान दिल्ली और उसके आस पास के समीपस्थ क्षेत्र ही रहे है।

आदि गौड़ ब्राह्मणों के शाखा व प्रवर के विषय में लिखा गया है

शाखा माध्यन्दिनी तेषां वे: शुक्लयजु: स्मृत:।
वशिष्ठादीनि गौत्राणि सूत्र कात्यायनम्परम ।।

अर्थात् - वेद शुक्ल यजुर्वेद, शाखा माध्यन्दिनी, सूत्र कात्यायन एवं गौत्र वशिष्ठा है। ये त्रिप्रवर है। कतिपय गौत्रों के पंच प्रवर तथा एक प्रवर भी मिलते है। बहुत से पण्डित यह कह बैठते हैं कि गौड़ों का विकास गौड़ बंगाल से है इसलिए गौड़ नाम रखा गया है। यह कथन अनभिज्ञ लोगों का है।

जन्मना ब्राह्मणो ज्ञेय: संस्कारेद्विज उच्यते ।
विध्या याति विप्रत्त्वं श्रोत्रिस्त्रिमिरेव च ।।

हमारे यहाँ ऐसा माना गया है कि ब्राह्मण से उत्पन्न हुआ ब्राह्मण, संस्कारों से द्विज, विद्या से विप्र और जिसमें ये तीनों गुण हो वह श्रोत्रिय कहलाता है।

देवाधीनं जगत्सर्व मन्त्राधीनाश्च देवताः।
ते मंत्रा ब्राह्मणाधीनास्तमा ब्राह्मण देवता:।। (स्मृति)

ऐसा माना गया है सारा संसार देवताओं के अधीन हैं, देवता मन्त्रों के अधीन होते है और मन्त्र ब्राह्मणों के अधीन है। अर्थात् ब्राह्मण ही देवता है यानि प्रवर्तमान जगत चर्क को जो यथावत चलाना ही ब्राह्मण कार्य है।

एक कुलीन ब्राह्मण को अपनी कुल परम्परा का सम्पूर्ण परिचय निम्न बिन्दुओं के माध्यम से ज्ञात होना चाहिये-

- गोत्र - ततस्तु गोत्र प्रवर-शाखा सूत्रादि संयुता। मुनिभिः कल्पिता सम्यग व्यवार प्रवृत्तये।।
- प्रवर - कलौ यज्ञोपवीतेन चिहिन्तों भवति द्विज:। अतः सर्व द्विजातीनां प्रवराध्याय उच्चते ।।
- वेद - कुल प्रवर्तकाचार्यो यंच वेदमधीतवान। सएव कुलवेदोहि तत्कुले संप्रकीर्तित:।।
- उपवेद - प्रत्येक वेद से सम्बद्ध विशिष्ट उपवेद का भी ज्ञान होना चाहिए।
- शाखा - तत्रवै प्रवराचार्यैर्याशाखा निगमस्य च। निजस्यैव मुदाधीता साशाखा तत्कुलेस्मृता।
- सूत्र - व्यक्ति शाखा के अध्ययन में असमर्थ न हो, अतः उस गोत्र के परवर्ती ऋषियों ने उन शाखाओं को सूत्र रुप में विभाजित किया, जिसके माध्यम से उस शाखा में प्रवाहमान ज्ञान व संस्कृति को कोई क्षति न हो और कुल के लोग संस्कारी हों।
- छन्द - उक्तानुसार ही प्रत्येक ब्राह्मण को अपने परम्परा सम्मत छन्द का भी ज्ञान होना चाहिये।
- देवता - कुलदेवस्स्वयं ब्रह्मा प्रतिगोत्रन्निगद्यते । उमाकान्त रमाकान्त मूर्तिभेदेन सिद्धये।।
- शिखा और पाद - वाम दक्षिण भेदेन शिखा बन्धनमिष्यते। पाद प्रक्षालनं तद्वत् प्रतिवेदविबुद्धये ।।
- द्वार - यज्ञ मण्डप में अध्वर्यु जिस दिशा अथवा द्वार से प्रवेश करता है अथवा जिस दिशा में बैठता है, वही उस गोत्र वालों का द्वार होता है।

डॉ. पं. गिर्राज प्रसाद शर्मा
आयुर्वेदशास्त्री, आयुर्वेदाचार्य, B.A.M.S.
सेवानिवृत वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी (राजस्थान)
अजमेर रोड, महापुरा जयपुर
सम्पर्क सूत्र 9413000113, 9983290833

गौड़ ब्राह्मणों के निवास क्षेत्र व भेद

देवर्षि गौड देशॉन्च, हादि गौड़ाः समागताः।
द्वापरान्ते महातीर्थ, सर्प यज्ञे तपोधनः।।

तेभ्यो राजा ददौ, ग्रामानु, सम संख्यात्य कान मुदा।
चत्वरिश्च्चतुर्युक्त, चतुर्दश' शतानि 1444 च।।

आदि गौड़ द्विंजाः सर्वे ब्रह्मार्षि देश वाशिनः।
वेदशास्त्र पुराणज्ञा श्रौतः स्मर्ति परायणाः।।

शाखा मध्यान्दिनी तेषा वेदः शुक्ल यजुः स्मृतः।
बशिष्ठा दीनी गोत्राणी, सूत्रं कात्यायन स्मृतम्।।

वेदाव्धयब्धीन्दु ग्रामाणा, शासनोच्छासना: स्मृता;।
पूज्या सर्वोत्तमा गौड़ाः मध्यमांस विवर्जिताः।।

आदौ ये ब्राह्मणा: जाता: ब्रह्म क्षेत्र तपोधनाः।
सर्वे वेद धरा, लोके सदाचारः प्रवर्तकाः।।

आदि गौडाश्च ते ज्ञेया: ब्रह्म क्षेत्रे निवासिनः।
तेभ्यो विनर्गताः भूम्यां प्रसिद्धाः दश ब्राह्मगाः।।।।

सारस्वता: कान्य कुब्जा: गौड़ाश्चोत्कल मैथिला।
पंचगौड़ा: समाख्याता: विन्धयोत्तरः वासिनः।।

कर्णाटकाश्च वैलंगा: द्राविड़ाः गुर्जरास्तथा।
महाराष्ट्राश्च पंचैते, विन्ध्य दक्षिण वासिनाः।।

तेभ्यो विनिर्गता: भूम्या चतुराशीत ज्ञातय;।
अन्येदपि वहव: सन्ति प्रकीर्णाश्चोप ब्राह्मणाः।।

बसन्ति देव योगेन: ब्राह्मणा: यत्र-तत्र वै।
परस्परंच ते ब्रिप्रा: ह्यभवन भिन्न पंक्तयः।।।

खान-पान सदाचारात, सम्बन्धोउप्यभवत पृथकः।
विद्या कर्म विहिनास्तु विप्रा: सूद्र समा स्मृताः।।

(सर्व ब्राह्मण गोत्रावली से)

गौड़ ब्राह्मणों के प्रकार

ब्राह्मणोत्पत्ति मार्तण्ड के पृष्ठ 4 के अनुसार :- गौड़ 2. सारस्वत 3. कान्यकुब्ज 4. उत्कल 5. मैथिल यह पाँचों गौड़ ब्राह्मण के अन्तर्गत आते हैं अर्थात् पंच गौड़ कहलाते हैं।

इसके अतिरिक्त 12 गौड़ों का नाम :- 1. मांडल (मालवी) गौड़ 2. श्रीगौड़, 3. श्रीहर्षगौड़ (गंगापुत्र गौड़), 4. हर्याणागौड़, 5. वाल्मीकी गौड़, 6. वाशिष्ठ गौड़, 7. सौरभ गौड़, 8. दालम्य गौड़, 9. सुखसेन गौड़, 10. भट्टनागर गौड़, 11. सूर्यध्वज गौड़, 12. माथुर गौड़। उक्त पंच गौड़ों को जोड़ने से कुल 16 प्रकार के गौड़ होते है

अर्थात् जो केवल 'गौड़' ब्राह्मण के नाम से प्रसिद्ध है, उन्हें ही गौड़ के पूर्व 'आदि' विशेषण लगाकर आदि गौड़ ब्राह्मण कहना सर्वदा शास्त्र सम्मत है, ताकि उक्त 16 प्रकार के गौड़ ब्राह्मणों में स्पष्ट पृथकता का बोध हो जाए। केवल गौड़ ब्राह्मण कहने में प्रश्न बनता है कि आप कौन से गौड़ ब्राह्मण हैं।

अवएव केवल गौड़ ब्राह्मण कहने से और आदि गौड़ ब्राह्मण कहने के कारण गौड़ और आदि गौड़ में भेद मान लिया जाना स्वाभाविक है, किन्तु गलत है। पूर्व पृष्ठों पर इसका निराकरण कर दिया गया है।

सच तो यह है कि राजस्थान में शेखावाटी, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तरांचल प्रदेश में विशेष रूप से लोग आदि गौड़ ब्राह्मण ही बताते हैं।

जब कोई अपने को गौड़ ब्राह्मण बतावे तो स्वत: बोध हो जाना चाहिये कि ये आदि गौड़ ब्राह्मण हैं, क्योंकि अन्य 12 प्रकार के गौड़, अपने को केवल गौड़ ब्राह्मण न कहकर, कहते है, श्रीगौड़, सौरभ गौड़, दालम्य गौड़, हर्याणा गौड़ इत्यादि।

अत: कोई गौड़ ब्राह्मण बतावे तो स्वत: आदि गौड़ ब्राह्मण का बोध हो जाता है। इसमें खींचा-तानी करना अनभिज्ञता का कारण हो जाता है।

आदि गौड़ एवं गौड़ शब्द जन्य भ्रमात्मक निवारण

पं. विशुद्धानन्द शास्त्री, प्राचार्य केन्द्रीय वेद महाविद्यालय विराट नगर (जयपुर)

पं. विशुद्धानन्द शास्त्री
साहित्य रत्न सेवानिवृत
वरिष्ठ अध्यापक, आगर (अलवर)

समस्त संपद् समवाप्ति हेतव: समुत्थिताघ: कुलधूमकेतव:।
अपार संसार समुद्र सेतव: पुनन्तुमां ब्राह्मण पाद रेणव: ।।

प्रिय बन्धुओं,

इसमें किचित् मात्र भी संदेह नहीं है। कि ब्राह्मण वर्ग सदा से ही सर्वमूर्धन्य एवं विश्व मान्य बना रहा है। हमारे

सारस्वता: कान्यकुञ्जा गौडाञ्ज मैथिलोत्कला:।
पच गौडा: समाख्याता विन्ध्योत्तर निवासिन: ।।
कर्णाटकाश्च तैलङ्गा: द्राविड़ा गुर्जरास्तथा।
महाराष्ट्रश्च पचैते विन्ध्य दक्षिण वासिन:।।

ये दो श्लोक जनश्रुति में चले आ रहे हैं। इस दशविधि ब्राह्मणों के भेद का मूल कारण शाखा भेद ही है अब भारत में आचार विचार, व्यवहार, खान, पान, मर्यादा, कुल परम्परा, देश देशान्तर के अनेक नवीन कारणों से आजकल संख्यात्मक दृष्टि से पूर्ण वृद्धि हो रही है।

राजचक्र के समान आचार्यों ने शाखा चक्र से दबा लिया। उतने देश में जितने भी ब्राह्मण चल रहे थे। किसी भी गोत्र के क्यों न हों, एक शाखा वाले बन गए। इस प्रकार देशों पर शाखाओं का अधिकार जम गया। फिर तो एक शाखा वालों के कल्प सूत्र भी अलग-अलग बन गये। जिनसे जल भरण विवाह आदि की सर्व प्रथाओं में भेद आता गया। प्रथम शाखा भेद, पुन: कुल भेद, फिर प्रथा भेद, फिर प्रथा भेद तंत्र देश का पृथक होने के कारण ब्राह्मण जाति ने भी प्रथम दो भेद धारण किये। उत्तर भारतीय गौड़ ब्राह्मण और दक्षिण भारतीय द्रविड़ ब्राह्मण कहलाये। फिर भारतीय दक्षिणोत्तम मध्यरेखा पर स्थित कुरूक्षेत्र बहने वाली सरस्वती नदीं के पश्चिम प्रान्त के निवासी सभी गौड ब्राह्मण, सरस्वती के विशेष नाम से सारस्वत कहलाये। फिर जो का काञ्यकुब्ज (कन्नोज) के समीप के गौड़ ब्राह्मण थे। वे कान्य कुब्ज (कलौजिया) कहे जाने लगे। इसी प्रकार मिथिला देश के निवासी मैथिल, उत्कल देख के निवासी उत्कल ब्राह्मण कहे जाने लगे। इससे बचा हुआ जो उत्तर भारत का भू-भाग रहा जैसे महर्षि देश अर्थात् कुरू, मत्स्य, शूर से पाञ्चाल। यहां के निवासी गौड़ ब्राह्मण कोई विशेष नाम न जुड़ने से केवल गौड ब्राह्मण कहलाये। अथवा सारस्वत कान्य कुब्ज मैथिल उत्कल इन चारों नामों से आदिभूत केवल गौड शब्द कहलाये। इस प्रकार गौड तथा आदि गौड में कोई भेद नहीं। सभी उत्तर भारत के गौड ब्राह्मण आदि गौड ब्राह्मण हैं।

''आदि गौड द्विजा: सर्वे ब्रह्मर्षि देशवासिन:।

अत: सभी बन्धुओं से निवेदन है कि वे सभी ''गौड'' शब्द का व्यवहार न करते हुये ''आदि गौड'' शब्द ही व्यव-हार में लायें। इससे भावनात्मक एकरूपता की वृद्धि होवेंगी।

स्कन्द पुराणे गौड स्मृतौ च-

देवर्षि गौड देशाश्च ह्यादि गौडा: समागता:।
द्वापरान्ते महातीर्थे सर्प यज्ञे तपोधन: ।।

तोभ्यो राजाददौ ग्रामान् समसंख्यात्मकान् मुदा।
चत्वारिंश च्चतुर्युक्त चतुर्दश शतानिच।।

ब्राह्मणोत्पत्ति निबन्धे गौड स्मृतो च-

आदि गौड द्विजा: सर्वे ब्रह्मर्षि देश वासिन: ।
वेद शास्त्र पुराणज्ञा: श्रौत स्मार्त्त परायणा: ।।

शाखा माध्यन्दिनीतेषां वेद: शुल्क: यजुस्तम्।
वसिष्ठादीनि गोत्राणि सूत्रं कात्यायनं स्मृतम् ।।

वेदाब्यब्धीन्दु ग्रामाणां शासना च्छासना: स्मृता: ।
पूज्या: सर्वोत्तमा गौडा मद्यमांस विवजिता: ।।

ब्राह्मणोत्पति निबन्धे-

आदौ ये ब्राह्मणा: जाता ब्रह्मक्षत्रे तपोधना: ।।
सर्वे वेदधरा लोके सदाचार प्रवर्तका:।।

आदिगौडाश्च ते ज्ञेया ब्रह्मक्षेत्र निवासिन:।
तेभ्यो विनिर्गता: भूम्यां प्रसिद्धा दश ब्राह्मणा:।।
अन्येऽपि वहव:सत्ति प्रकीर्णाश्चोप ब्राह्मणा:।
वसत्ति दैवयोगेन ब्राह्मणा यंत्र तत्र वै।।

परस्परं च ते विप्रा ह्यमदन् मित्र पक्तय: ।।
खान पान सदाचारा त सम्बन्धोऽधभवत् पृथक।
विधाकर्म विहीनास्तु विप्रा: शूद्रसमा: स्मृता: ।।

गौड स्मृतौ-

श्वेत वाराह कल्पेऽस्मिन् ब्राह्मणा वेद पारगा: ।
आदि गौडा: कुरूक्षेत्रे जाता: सर्वे तपोधना: ।।

महाभारते-

ब्रह्मवेदि: कुरूक्षेत्रं पञ्चराम ह्रदात्तरम्।
ब्रह्मधर्म: कुरूक्षेत्र द्वादश योजनावधि ।।

ब्रह्मपुराणे च-

आदौ जाता: कुरूक्षेत्रे ब्राह्मणा: वेद पारगा: ।
श्वेत वाराह कल्पेऽस्मिन् त्रादि गोडास्तापोधना

गोत्र शर्मावटंकश्च वेदश्च प्रवरा शिखा ।
देविं गणपति पदवीं नवैते ब्राह्मणस्मिता ।।

अब 108 जाति के ब्राह्मण समुदाय के नाम दिये जा रहे हैं। जो निम्न प्रकार हैं।

(1) आदिगौड़ ब्राह्मण (2) मेडतवाल ब्राह्मण (3) औदुम्बर ब्रा. (4) कापित्थ ब्रा. (5) श्री गौड ब्राह्मण नये (6) वटमूल ब्राह्मण (7) पाल ब्राह्मण (8) श्रृगालवाट ब्रा. (9) मैताले ब्रा. (10) गाल्ब ब्रा. (11) औदिच्य ब्रा. (12) टोकल ब्रा. (13) श्री मालि ब्रा. (14) सिन्ध ब्रा (15) चातुर्वदिम्होड ब्रा. (16) भागड ब्रा. (17) त्रिवेदीम्होड ब्रा. (18) धेनोजाम्होड ब्राह्मण (19) इग्यर्षरगाम्होड ब्राह्मण (20) मल्लम्होड ब्राह्मण (21) भीतर खेडावाल ब्रा. (22) वाज खेडावाल ब्रा. (23) खड़ायते ब्राह्मण (24) जाम्बु ब्राह्मण (25) झारोला ब्राह्मण (26) अन्तर वेदो ब्राह्मण (27) उनेवाल ब्राह्मण (28) कंडोला ब्रा. (29) वायडा ब्रा. (30) गिरिनारे ब्राह्मण (31) गुग्गुलि ब्राह्मण (32) वबुरू ब्राह्मण (33) तुलब ब्रा. (34) केरल ब्रा. (35) गोराष्ट ब्रा. (36) वेलंजी ग्रामवासी ब्राह्मण (37) मिथुनहर ब्रा. (38) पातित्यग्राम ब्रा. (39) द्वत्रिंशदग्राम ब्रा. (40) दशागोत्र ब्रा. (41) त्रिहोत्र ब्रा. (42) काराष्ट्र ब्राह्मण (43) चित्पावन कोकणस्थ ब्रा. (44) महाराष्ट्र ब्राह्मण (45) पन्द्रह प्रकार के द्राविड ब्राह्मण (46) नियोगी ब्रा. (47) पांचाल ब्रा. (48) छः प्रकार के तैलंग ब्रा. (49) कर्नाटका ब्रा. (50) शिरपतन मौताला ब्रा. (51) हैव ब्रा. (52) यम्बराद्रि ब्रा. (53) कंदाव ब्रा. (54) दायमा ब्रा. (55) गोमित्र ब्रा. (56) रायकवाल ब्रा. (57) वाल्मीक ब्राह्मण गुर्जर संप्रदायी (58) मथुरा के चौबे (59) सूर्यध्वज गौड़ ब्रा. (60) भट्टनागर गौड़ ब्रा. (61) सुखसेन गौड़ ब्रा. (62) दालम्य गौड़ ब्रा. (63) सीरम गौड़ ब्रा. (64) वाशिष्ठ गौड़ ब्रा. (65) हरियणा गौड़ ब्रा. (66) गंगापुत्र गौड़ ब्राह्मण (67) श्री गौड़ ब्राह्मण (68) मालवी गौड़ ब्रा.(69) प्रश्नोत्तरे नागर ब्रा. (70) भारड नागर ब्रा. (71) चित्रोडे नागर ब्रा. (72) साठोदरे ब्रा. (73) बिसनगरे ब्रा. (74) वड़-नगरे ब्रा. (75) चोरासी मेवाड़ ब्रा. (76) त्रिवाडी मेवाड़ ब्रा. (77) भटमेवाडे ब्रा. (78) दिशावाल ब्राह्मण (79) शिवल्ली ब्राह्मण (80) कोट ब्राह्मण (81) माध्या दितिया ब्राह्मण (82) अभिल्ल ब्राह्मण (83) मंत्रायणी ब्रा. (84) मैथिल ब्रा. (85) नन्द-वाड ब्रा. (86) नामदीय ब्रा. (87) भार्गव ब्रा. (88) गरूड़ गलिया ब्रा. (89) पुष्कररगे ब्रा. (90) भारतीय ब्रा. (91) नादोर्या ब्रा. (92) कांपोद-सिद्ध ब्रा. (93) सोमपुरा ब्रा. (94) काव्यकुन्ज ब्रा. (95) सानाढ्य ब्रा. (96) लेटवास ब्रा. (97) पाली-वाल ब्रा. (98) आमीर ब्रा. (99)लेटवास ब्रा. (100) गयावाल ब्रा. (101) वलादरे ब्रा. (102) चन्द्रसर ब्रा. (103) नारदी ब्रा. (104) खेटुवे ब्रा. (105) तलाजिये ब्रा (106) कपिल ब्रा. (107) मित्र-गौड़ ब्रा. (108) सारस्वत ब्रा.

गोत्र क्या है और विवाह सस्कार में गोत्र क्यों बचाएं

गोत्र एक ऐसा शब्द है जो यह बताता है कि हमारे पूर्वज कौन हैं तथा हम किस ऋषि की संतान हैं। गोत्र का अर्थ किसी व्यक्ति के वंश या कुल से होता है। गोत्र किसी व्यक्ति को उसकी मूल पीढ़ी से जोड़ता है। वैदिक संस्कृति के अनुसार सप्त ऋषि (विश्वामित्र, जमदग्नि /गौतम, अत्रि, वशिष्ठ, कश्यप एवं भारद्वाज) तथा अन्य ऋषि अगस्त, पुलस्ति, पुलह एवं कृतु की संतानों के कुल को गोत्र कहते हैं। यदि किसी व्यक्ति ने कश्यप गोत्र में जन्म लिया है तो इसका अर्थ है कि उस व्यक्ति का कुल या गोत्र कश्यप है, इसी प्रकार से किसी व्यक्ति ने भारद्वाज वंश में जन्म लिया है तो उस व्यक्ति का कुल या गोत्र भारद्वाज है। इस प्रकार से व्यक्ति के गोत्र का निर्धारण आदि काल से होता आ रहा है। यदि दो व्यक्तियों का गोत्र समान है तो इसका अर्थ यह हुआ कि वे दोनों व्यक्ति एक ही कुल या वंश में जन्मे हैं, उन दोनों व्यक्तियों में वंशानुगत पारिवारिक सम्बन्ध है। जैसे भाई-बहन, पिता-पुत्री, पिता-पुत्र, चाचा-भतीजी, चाचा-भतीजा इत्यादि।

जब घर में विवाह की चर्चा होती है तो अपने माता- पिता तथा बुजुर्गों बीच होने बात-चीत में गोत्र का नाम अवश्य आता है। लड़का या लड़की हमारी जाति समुदाय का है अथवा नहीं। कहीं गोत्र तो नहीं लग रहा अर्थात गोत्र बच रहे हैं या नहीं इत्यादि।

हिंदू धर्म में वैदिक मान्यताओं के अनुसार एक ही गोत्र (वंश या कुल) के लड़के या लड़की के विवाह का विरोध किया जाता है। एक ही गोत्र में विवाह करने को वर्जित माना गया है इसके पीछे उचित सामाजिक एवं वैज्ञानिक कारण है। इसका एक कारण सम गोत्र में होने से ये स्त्री- पुरुष निकट समबंधी बन जाते हैं, जैसे भाई-बहन, पिता-पुत्री, चाचा-भतीजी इत्यादि। हमारे सामाजिक संस्कार साथ ही वैज्ञानिक आधार इसकी मान्यता नहीं देते हैं।

इसी कारण से विवाह संस्कार के लिए चार गोत्र पहला स्वयं का, दूसरा माता का, तीसरा दादी का और चौथा नानी का गोत्र बचाया जाता है। कहीं-कहीं चौथे गोत्र अर्थात नानी के गोत्र को छोड़ भी दिया जाता है। धार्मिक एवं सामाजिक मान्यताएं इस प्रतिबंध को स्वीकार करती हैं। जिसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी स्वीकार किया गया है।

विज्ञान के अनुसार एक ही गोत्र या कुल में विवाह करने पर दंपत्ति से जो संतान उत्पन्न होगी, उसमें अनुवांशिक दोष होगा, साथ ही नई पीढ़ी में विशिष्ट नवीन उच्च गुणों का अभाव भी रहेगा।

क्रमश- आज हमारे देश में पश्चिमी संस्कृति के दुष्प्रभाव के कारण विवाह में गोत्र बचाने का महत्व कम होता जा रहा है या कुछ कुछ परिवारों में औपचारिकता भर रह गया है लेकिन यह सोच भविष्य के लिए ठीक नहीं है संस्कारवान एवं उत्कृष्ट नवीन गुणों वाली सनन्तति प्राप्त करने के लिए गोत्र प्रणाली का बने रहना अति आवश्यक है ,इसके पीछे पर्याप्त वैज्ञानिक आधार है।

वैज्ञानिक डार्विन के प्राकृतिक चयन (नेचुरल सिलेक्शन) के सिद्धांत के अनुसार जीवन की शुरुआत एक कोशिका यानी सिंगल शैल से हुई है। समय के साथ - साथ

बहुकोशिकीय एवं जटिल जीवों का विकास होता गया। प्राकृतिक चयन का अर्थ उन गुणों से हैं, जो किसी प्रजाति को बचे रहने एवं प्रजनन में सहायता करते हैं। इसकी आवृत्ति में पीढ़ी दर पीढ़ी वृद्धि होती रहती हैं, इस दौरान इनकी कोशिकाओं में मौजूद डीएनए अर्थात जेनेटिक मैटेरियल में कुछ स्थाई परिवर्तन होता है, जिसे उत्परिवर्तन या म्यूटेशन कहते हैं। हजारों - लाखों वर्षों के दौरान जीवों में क्रमिक रूप से कुछ परिवर्तन दिखाई देते हैं, जिससे समय के साथ प्रजातियों में कुछ भिन्नता आ जाती है और नई प्रजाति बनती है। इस प्रक्रिया को उद्विकास या एवोल्यूशन कहते हैं। यह उदविकास की प्रक्रिया सरत्न से जटिलता की ओर बढ़ती है अर्थात एक कोशिकीय जीवों से बहुकोशिकीय जीवो का विकास हुआ और फिर प्रजनन यानी रिप्रोडक्शन की प्रक्रिया से जेनेटिक मैटेरियल अर्थात जीन के डीएनए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होता चला जाता है। नया जीव अपने माता-पिता से 50-50% जेनेटिक मैटेरियल लेकर जन्म लेता। जिसे अनुवांशिक परिवर्तन हेरिडिटी चेंज भी कहते हैं ,जो पीढ़ी दर पीढ़ी के बदलती है। इस प्रकार से पैदा होने वाले शिशुओं में माता-पिता दोनों के 50-50% गुण पाए जाते हैं। अनुवांशिक परिवर्तन का मनुष्य के लिए बहुत अधिक महत्व है। जेनेटिक मेटेरिअल में क्रमिक स्थाई परिवर्तन यानी म्यूटेशन यदि अच्छा है तो नई पीढ़ी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होगी और उसमें कई अच्छे विशिष्ट गुण विकसित होंगे। अगर यही म्युटेशन अच्छा नहीं है तो नई पीढ़ी में कुछ ऐसे असामान्य बदलाव देखने को मिलते हैं जो उसे बीमार या जीवन भर के लिए शारीरिक या मानसिक अपाहिज बना देते हैं। जब एक ही कुल यानी गोत्र के स्त्री और पुरुष का विवाह होता है तो दोनों से एक ही तरह का जेनेटिक मैटेरिय मटेरियल यानी (जीस और डीएनए) उनकी संतत्ति में प्रवेश करते हैं , जिससे उसे किसी जीन विशिष्ट रोग होने की संभावना ज्यादा बनी रहती है अर्थात उनका शिशु सिस्टिक फाइब्रोसिस, गैलेक्टोसिल /एनीमिया, थैलेसीमिया, शुगर जैसी खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकता है। उनमें अव्यवहारिक जीन विकार की आशंका बढ़ जाती है। स्पष्ट है कि प्रकृति में विविधता, नयापन एवं स्वस्थ जीवन के लिए स्त्री पुरुष दोनों का जेनेटिक मटेरियल भिन्न होना चाहिए अर्थात उनका वंश या कुल अलग-अलग होना चाहिए।

इसी कारण से हमारी संस्कृति में एक ही गोत्र में विवाह को वर्जित किया गया है। अतः स्वस्थ एवं नवीन विशिष्ट गुणों वाला शिशु प्राप्त करने के लिए भिन्न-भिन्न गोत्रों के स्त्री - पुरुष का विवाह होना चाहिए ताकि जीन विकार उत्पन्न होने की संभावना नहीं के बराबर हो। अतः शात्त्रों में गोत्र बचाते हुए विवाह संस्कार का विधान किया गया है।

राम कुमार शर्मा
(प्रधानाचार्य)
64/234,प्रतापनगर,
जयपुर-राजस्थान

गोत्रावली के परिचय

1. ऋषि गोत्र-जिस वंश के जो आदि ऋषि कुल प्रवर्तक हुए, उनका वही ऋषि कहलाया।
2. शासन (अल्ल-अवटंक) हजारों वर्ष पूर्व महाराजा जनमेजय द्वारा आयोजित यज्ञ को महर्षि बकटेश्वर मुनि ने अपने 1444 शिष्यों के साथ सम्पन्न कराया। तदुपरान्त महाराजा ने गुप्त रूप से सभी ब्राह्मणों को ग्राम दान किया। आपत्ति के पश्चात् महाराजा की प्रार्थना स्वीकार कर, सभी ब्राह्मण प्राप्त ग्रामानुसार उसी ग्राम में बस गये। तदानुसार जो जिस ग्राम में बसे (शासन किया) उसी ग्राम के नाम से उनका शासन कहलाया। सनाढ्य भी गौड़ ब्राह्मणों में हैं।
3. पदवी (उपाधि)-जिस वंश के ब्राह्मणों ने जिस वेद शास्त्र एवं कर्मकाण्ड का अध्ययन किया उसी के आधार पर उनकी पदवी हो गयी। चार वेद के ज्ञाता चतुर्वेदी, चौबे, तीन वेद के तिवारी-त्रिवेदी, त्रिपाटी, दो वेद के द्विवेदी, दूबे, अग्निहोत्र करने वाले अग्निहोत्री, पुरोहित करने वाले पुरोहित इत्यादि।
4. प्रवर (ग्रन्थी)- गोत्राकार ऋषियों के पश्चात् उनके पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, शिष्यादि। के क्रमानुसार प्रवर बना जिसकी संख्या 4 तक है।
5. शाखा-जिस कुल के प्रवराचार्यों ने जिस वेद की शाखा का पठन-पाठन अपनी रूचि से चलाया, उस कुल की वही शाखा कही गयी है।

ऋषियों ने चारों वेदों को 23 शाखा में बाँट दिया।

श्लोक-तत्रवे प्रवराचार्ये शिखा निगमस्य च।
निजस्यैव मूदाधीता साशाखातत्कुलेस्मृता।।

इस गोत्रावली में हिन्दी वर्णमाला के अक्षरों के अनुसार शासन लिखे गये हैं, केवल व को ब के क्रम में दिया गया है। कोष्टक में जो शासन हैं, वह उसी शासन का पर्याय है। उच्चारण दोष के कारण एक शासन के कई पर्याय बन गया है। कृपया शासन और गोत्र को समझ कर पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1.	अवर्धा	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
2.	अजमेधा	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
3.	अरवलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
4.	अडिचवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
5.	अष्टाविणा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
6.	अटागुरे	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
7.	अदरत	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
8.	अंधोपिया	वत्य	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
9.	(धोपिया)	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
10.	अक्षकूटा	गौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
11.	अखवरिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
12.	अगरोइया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
13.	अडींगिया	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
14.	अणगौरिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
15.	आस्तीयाणा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
16.	आस्टो	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
17.	आरठिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
18	ओडिवाल	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
19.	ओजाचाण	सोमराज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
20.	अगरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
21	अरोदिया	उपमन्यू	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
22.	अन्ध्यारिया	यमदद्विन	श्रोत्रिय	5	माध्यन्दिनी
23.	आइष्ठान	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
24.	ओसनिया	अत्रि	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
25.	आटोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुनी
26.	औढ़ाका	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुनी
27.	आष्टायन	कौशिक	अग्निहोत्री	3	कौथुनी
28	अलसेलिया	भारद्वाज	पांडे	3	आक्ष्वलायन
29.	ओष्टी	वात्सना	जोशी	5	आक्ष्वलायन
30.	असवरिया	भारद्वाज	जोशी	3	आक्ष्वलायन
31.	अभीस्यप्रधान	भृगु	व्यास	3	आक्ष्वलायन
32.	आवेठयाप्रधान	भृगु	व्यास	3	आक्ष्वलायन
33.	अंगुठिया	भारद्वाज	पांडे	3	आक्ष्वलायन
34.	अखवइया	कविस्त	वाजपेयी	3	आक्ष्वलायन
35.	अलवरिये	भारद्वाज	जोशी	3	आक्ष्वलायन
36.	इन्दोरिया	कविस्त	वाजपेयी	3	आक्ष्वलायन
37.	इन्दोर्या	भारद्वाज	जोशी	3	आक्ष्वलायन
38.	इच्छावत	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	कौथुनी
39.	इष्टान्या	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
40.	ईण	मौदगल्य	पुरोहित	3	वाजसनी
41.	इकटवा	कश्यप	तिवारी	3	मध्यन्दिनी
42.	इकलौदिया	कश्यप	तिवारी	3	मध्यन्दिनी
43	इन्दोरिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
44.	इन्दोरिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
45.	इषन्या	भौगिल्य	पांडे	3	माध्यन्दिनी
46.	इन्दोरिया	गौतम	जोशी	3	माध्यन्दिनी
47.	उड़ीचवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
48.	उइका	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
49.	उचैनिया	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
50.	उचैनिया	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	कौथुम्बी
51.	उसिलिया	आलम्वायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
52.	उगीकल	जमदग्नि	श्रोत्रिय	4	माध्यन्दिनी
53.	उठवारिया	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	कौथुनी
54.	उपाध्याय	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुनी
55.	उग्रतपा	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुनी
56.	उइछला	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
57.	उमरावतिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
58.	ऊटलोदिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
59.	उठागरा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
60.	उपमन	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
61.	उपमन	भारद्वाज	उपाध्याय	3	माध्यन्दिनी
62.	ऐरंडवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
63.	एकटया	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
64.	ऐरंडवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
65.	कोंखर वाल	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
66.	कोखरवाल	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
67.	काल्या	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
68.	कंडा	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
69.	ककरेटिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
70.	कराहरीवाल	जैमिनी	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
71.	कंनौजिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
72.	करंटा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
73.	कंछेरिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
74.	(कन्छला)	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
75.	काकलवाल	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
76.	कोल्या	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
77.	कारताण्या	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
78.	कापल्या	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
79.	कांकर	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
80.	कापटी	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
81.	कातोला	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
82.	कापल्या	भार्गव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
83.	कोहिनिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
84.	किरीट	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
85.	कोहनिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
86.	करनोलिया	परासर	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
87.	करीरहट	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
88.	काकिलवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
89.	कोडवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
90.	काकडंया	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
91.	कटेवरिया	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
92.	कानोल्या	मुदगल	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
93.	कडकोला	कृष्ण वेष्णव	व्यास	3	वजसनीय
94.	करजालिया	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
95.	कलेडिया	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
96.	कुलचानिया	कौशिक	जोशी	3	अश्वलायन
97.	कटारो	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
98.	कलमुखा	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
99.	किशनपुरिया	बलि	जोशी	5	माध्यन्दिनी
100.	कहाड	बलि	जोशी	5	माध्यन्दिनी
101.	कटुमरा	बलि	जोशी	5	माध्यन्दिनी
102.	कोलिवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
103.	किपेनी	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
104.	कारटमार	मालवंगा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
105.	कीपन	बलि	जोशी	5	माध्यन्दिनी
106.	कोल्या	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
107.	किनमासिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
108.	किरारीवाल	भार्गव	दीक्षित	6	माध्यन्दिनी
109.	कुणिजा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
110	कैरारिया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
111.	कोचप	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
112.	कोकासिया	गर्ग	दीक्षित	3	पिप्पलायनी
113.	कोदीवाल	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	कौथुमी
114.	कोइन्दा	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
115.	करतल	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
116.	कलकटा	वाशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
117.	काकसीया	गर्ग	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
118.	काट	विष्णु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
119.	कास्माटी	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
120.	काष्टानी	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
121.	कुलिदिया	सोमराज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
122.	कासाणी	सोमराज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
123.	ककरूढ़ा	अष्टावक्र	जोशी	3	माध्यन्दिनी
124.	ककरा	दालम्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
125.	कावलवा	जमाली	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
126.	कुकड़	दरमायन	व्यास	2	माध्यन्दिनी
127.	कालुंका	कांचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
128.	कुरानवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
129.	ककड़	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
130.	कालूंडिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
131.	कलावटिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
132.	केड़ेवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
133.	काकंनोधिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
134.	कटवाड़िया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
135.	कुंजवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
136.	काठ	गोलव	पांडे	3	माध्यन्दिनी
137.	कसारिया	मुदगल	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
138.	काकयाणी	मुदगल	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
139.	(काकयाण)	मुदगल	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
140.	कामड़ोवाल	मुदगल	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
141.	कालीनूरा	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमी
142.	कण्डवाल	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमी
143.	काणुबड़िया	हरित	जोशी	3	माध्यन्दिनी
144.	कण्डोरा	हरित	जोशी	3	माध्यन्दिनी
145.	कटवारिया	श्रोसेश्वर	जोशी	3	माध्यन्दिनी
146.	कलसोता	भृगु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
147.	कल्याण	व्योंग	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
148.	करमाणिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
149.	कंकरीट	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
150.	कामियफुटवा	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
151.	कस	वैयाग्रपद्म	व्यास	मेक प्रवरा	माध्यन्दिनी
152.	ककुथल	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
153.	कानुडया	काणवायन	जोशी	6	माध्यन्दिनी
154.	करंडवाल	बासुकी	व्यास	2	माध्यन्दिनी
155.	करवा	गोलव	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
156.	कुरूक्षेत्री	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
157.	कुंडीलिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
158.	कंकरीड	वरिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
159.	कलानोरिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
160.	कनौड़िया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
161.	कुरूक्षेत्रिय	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
162.	कनरवलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
163.	कारपूडिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
164.	केडेलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
165.	कुन्धरा पंडा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
166.	कसमपरिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
167.	कृकसा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
168.	कुण्डोलिया	परवृद्ध वरिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
169.	कथलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
170.	कुलताजपरिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
171.	कवरवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
172.	कोटिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
173.	कलानोरिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
174.	कोरक	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
175.	करीरे	भारद्वाज	दूबे	3	माध्यन्दिनी
176.	कुबानियां	च्वमन	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
177.	कंनानोरियां	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
178.	कचौटिया	कोशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
179.	खाकस्या	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
180.	खंत्वाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
181.	खोज	हारित	व्यास	3	माध्यन्दिनी
182.	खरवालिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
183.	खरीट	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्यिनी
184.	खेरवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
185.	खैरोंनिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
186.	खोज	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
187	खरीठ	बासुकी	यास	2	माध्यन्दिनी
188.	खरखेलिया	उद्दालक	पाठक	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
189.	(खेरवलिया)	उद्दालक	पाठक	3	माध्यन्दिनी
190.	खडनावल्या	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
199.	खाटरवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
192.	(खरसठवाल)	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
193.	खामपुरिया	जैमिनि	क्षौत्रिय	3	माध्यन्दिनी
194.	खाचरया	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
195.	खारीठ	सोपायन	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
196.	खिरारीवाल	यमदग्नि	श्रोत्रिय	4	माध्यन्दिनी
197.	खुडाण्या	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
198.	खेडियावाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
199.	(खेडवाल)	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
200.	(खेडिवाल)	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
201.	खेढ़वाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
202.	खैरारिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
203.	खाडोलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
204.	ख:ख	जन्हू	व्यास	3	माध्यन्दिनी
205.	खरवरिया	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
206.	खावड़ा	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
207.	खैरवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
208.	खन्तवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
209.	खारल्या	केशव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
210.	गेरोंटिया	अभि	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
211.	गींझवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
212.	खैरोनियां	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
213.	खारे	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
214.	गोसरत	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
215.	गलियन	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
216.	गाल्याण	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
217.	गोहरिया	वत्स	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
218.	गंगापुरिया	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
219.	गीलार्या	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
220.	गोधड़िया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
221.	गगरवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
222.	गोरवला	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
223.	गजरावत	मुदगल्य	पुरोहित	3	आश्वलायन
224.	गुलानिया	मुदगल्य	पुरोहित	3	आश्वलायन
225.	गढ़वाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
226.	(गोंडवाल)	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
227.	गंगावत	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
228.	गगरीवाल	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
229.	गंधा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
230.	गरपत	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
231.	गगड़	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
232.	गल	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
233.	गलिवाल	काशकृतस्तु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
234.	गदनाना	काशकृतस्त्रु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
235.	गाजरवाल	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
236.	गांगसीण	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
237.	गिलियाण	कौन्डिल्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमी
238.	गाडेलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
239.	गिंडा	कपिल	जोशी	3	कौथुमी
240.	(गेंडा)	कपिल	जोशी	3	कौथुमी
241.	गिलडा	कपिल	जोशी	3	कौथुमी
242.	गुडोरिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
243.	(गुंडा)	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
244.	गुराबा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
245.	(गुरावड)	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
246.	गेन्दा	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
247.	गुलपुरा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
248.	गोल	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
249.	गोस्वामी	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
250.	गोधड़िया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
251.	गौड़गामिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
252.	गील	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
253.	गिलाण	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
254.	गोधडिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
255.	गन्धवेवाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
256.	गुड़पुरिया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
257.	गनवारिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
258.	गौठवाल	परवृद्ध वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
259.	गोगाणी	परवृद्ध वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
260.	गोधडिया	परवृद्ध वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
261.	गंगावत	परवृद्ध वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
262.	गांधरा	कौशिक	व्यास	3	कौथुमी
263.	गोरखपुरिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
264.	गारवाल	भारद्वाज	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
265.	गोग्याण	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
266.	(गोज्ञान)	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
267.	गील	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
268.	गोधनिया	भार्गव	दीक्षित	5	माध्यन्दिनी
269.	(गुवान्या)	भार्गव	दीक्षित	5	माध्यन्दिनी
270.	गुहानिया	कौशिक	दीक्षित	5	माध्यन्दिनी
271.	गोपीपाण	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
272.	गौरवालिवाल	कंक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
273.	गोरवाला	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
274.	गंधसा	वलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
275.	गंगदाना	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
276.	गलिवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
277.	गिल्याण वशिष्ठ	कौंडीन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
278.	गिलवाला	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
279.	गोडवाला	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
280.	गुलपारया	विष्णु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
281.	गगमेरा	मोगिल	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
282.	गटगटा	गोमिल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
283	गुजरीका	गोलव	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
284.	गंगावासी	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
285.	गोठवाल	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
286.	गोज्ञान	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
287.	गोरवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
288.	गुदनिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
289.	घाघसाणी	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
290.	घटवारिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
291.	घरवरा	वासुकी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
292.	घाटिया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
293.	घोंडिदा	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
294.	घोलिका	काणवायण	जोशी	4	माध्यन्दिनी
295.	घोरतपा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
296.	घुटौलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
297.	घाटसरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
298.	घील	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
299.	घूमर	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
300.	घरगढ़ा	कण्व	व्यास	3	माध्यन्दिनी
301.	घुड़चड़िया	भारद्वाज	जोशी	3	-
302.	घुरावा	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
303.	चकोत्रे	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
304.	(चकता)	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
305.	चसवाका	भार्गव	दीक्षित	4	माध्यन्दिनी
306.	चलवारी	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
307.	चान्द्रावतयो	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
308.	चांदीवाल	कौन्डिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
309.	चावणी	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
310.	चाकोलिया	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
311.	चसवाका	भार्गव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
312.	चुलेट	अधमर्षण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
313.	चुलिवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
314.	चेदक	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
315.	चेतसरिया	चमदग्नि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
316.	चौमुवाल	शांडील्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमि
317.	चौमाल	हरितस	मिश्र	3	कौथुमि
318.	चीतरवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
319.	चीलीया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
320.	चिड़िया	शाडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
321.	चान्दोल्या	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
322.	चवद	बलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
323.	चेरा	बलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
324.	चमस्या	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
325.	चोकचीला	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
326.	चन्दवाल	अत्री	जोशी	3	कोटिन्य
327.	चांटी	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
328.	चाकलिया	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
329.	(चाकलिवाल)	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
330.	चौहानवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
331.	चैतपुरिया	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
332.	चोहमेवाल	हरित	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
333.	चौवेदीक्षित	अंगिरा	व्यास	3	माध्यन्दिनी
334.	चम्हाल	हरित	व्यास	3	माध्यन्दिनी
335.	चान्दोलिया प्रधान	पिप्पलायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
336.	चौवेलाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
337.	चुल्हेट	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
338.	चुल्हीवाल	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
339.	चालीण	हरित	व्यास	3	माध्यन्दिनी
340.	चलवारी	वशिष्ठ	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
341.	चांदीवाल	कोंडिन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
342.	चौवे प्रधान	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
343.	चौराणी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
344.	चिल्लाटा	सावर्णि	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
345.	चलखा	कण्व	व्यास	3	माध्यन्दिनी
346.	चामडया	शांक्रत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
347.	चोरटा	सावर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
348.	चान्दावतया	कात्यायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
349.	चान्दोल्या	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
350.	चवदया	दालम्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
351.	चटकाणी	वोधायन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
352.	चिमटोल्या	गोभिल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
353.	चनवरया	गोमिल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
354.	चकवाल	गोलव	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
355.	चकेद	जैमिनिय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
356.	चौबेलाल	भारद्वाज	चतुर्वेदी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
357.	चापस	वृद्धि	व्यास	3	माध्यन्दिनी
358.	चैतसरिया	चमदग्नि	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
359.	चौबे प्रधान	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
360.	चन्दौलिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
361.	चुलकाणिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
362.	चुरोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
363.	चानगान	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
364.	चुलहट	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
365.	चुलकाणिमा	काश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
366.	चुनकटिया	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
367.	चतुर्वेदी	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
368.	चान्दोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
369.	चौराणी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
370.	चावण्डया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
371.	चुल्हिवाल	शांडिल्य	तिवारी	3	कौथुमि
372.	(चुलीवाल)	शांडिल्य	तिवारी	3	कौथुमी
373.	चुल्हिवाल	अंगिरस	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
374.	छनफारिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
375.	(छनेरिया)	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
376.	छतरकला	काशकृतस्तु	पुरोहित	3	वादवायन
377.	छतरीवाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
378.	छिपारिया	पारासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
379.	छलिवाल	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
380.	छापरवाल	शौनन्द	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
381.	छीलवार	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	कौथुमी
382.	छोडिहा	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
383.	छाछा	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वादवायन
384.	छोटिका	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीश्रीति
385.	छगसा	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
386.	छोरीवाल	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
387.	(छारीवाल)	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
388.	छाजावत	अंगिरा	व्यास	3	माध्यन्दिनी
389.	छनरिवाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
390.	छौकरवाल	शौनिक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
391.	जलसुतिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
392.	(जसुतिया)	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
393.	जलवली	कांडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
394.	जगथली	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
395.	जटोइया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
396.	जलोथरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
397.	जगीमोड़	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
398.	जयपुरिया	वत्स	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
399.	(जपुरा)	वत्स	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
400.	जपटवाल	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
401.	जाकिरवाल	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
402.	जारिगवार	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
403.	जावता	कोंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
404.	जाकाला	कोंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
405.	जाड़ीवाल	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
406.	जागदा	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
407.	जाता	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
408.	जाणीपाल	वामदेव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
409.	जाड	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
410.	जेवरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
411.	जेरवत	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
412.	जोसी	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
413.	जाकेडया	काश्यप	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
414.	जेनपाल	काश्यप	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
415.	जाटोपीरोता	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
416.	जमेघ	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
417.	जाकेडया	काश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
418.	जयपटा	वलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
419.	जेमला	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
420.	जोरीवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
421.	जादावा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
422.	जटुन्दा	अत्री	जोशी	3	कौटिन्य
423.	जोपट	अत्री	जोशी	3	कौटिन्य
424.	जरेवाल	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
425.	जमीढ़ा	मालवनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
426.	जनावेदा	मालवनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
427.	जोलाल्या	वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
428.	जावना	कौंडिन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
429.	जाकाल्या	कौंडिन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
430.	जारजा	उपमन्यु	जोशी	3	माध्यन्दिनी
431.	जगदीवा	धृत कौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
432.	(जगदीवाला)	धृत कौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
433.	जेरदा	वैयाग्रपद्य	व्यास	नेक प्रवर	माध्यन्दिनी
434.	जोरिया	राहू	जोशी	3	माध्यन्दिनी
435.	जुरेजा	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
436.	जाधोरिया	चन्द्रायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
437.	जामुनिया	मांडल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
438.	जेवरीया	मित्रा वरूण	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
439.	जगट	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
440.	जगरी	जावाली	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
441.	जफरीवाल	दरमायन	व्यास	2	माध्यन्दिनी
442.	जगवाली	जन्हु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
443.	जारीपाल	मौनस	स्वामी	2	माध्यन्दिनी
444.	जवरी	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
445.	जंगीमोड	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
446.	जेरवत	शौनक	जोशी	2	माध्यन्दिनी
447.	जगचली	कांचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
448.	जुवरदा	वैयाग्रपद्य	व्यास	नेक प्रवर	माध्यन्दिनी
449.	जोसिया	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
450.	जामंदया	मांडल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
451.	जपंत	अव्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
452.	जैत्सरावत	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
453.	जगवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
454.	ज्वालामुखी	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
455.	जेमनिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
456.	जलाणिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
457.	जिन्दिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
458.	जारिगवार	कविस्त	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
459.	जैमन	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
460.	जंगवार	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
461.	झूड़िया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
462.	झाड़ोलिया प्रधान	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
463.	झाड़ोलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
464.	झीमरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
465.	झमन	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
466.	झड सैना	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
467.	झाड़ोदिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
468.	झड़सैया	पारासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
469.	झीमरिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
470.	झाडोदिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
471.	झारोलिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
472.	झुरनाटा	वामदेव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
473.	झकटु	मालवनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
474.	झुदपाण	मित्रावरूण	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
475.	झीमरिया	चन्द्रायण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
476.	झनुथरा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
477.	झर्मरिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
478.	(झर्मरपुरिया)	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
479.	टडपाडे	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
480.	टाटोपर्या	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	कौथुमी
481.	टिटवारिया	भार्गव	दीक्षित	5	माध्यन्दिनी
482.	(टिलावत)	भार्गव	दीक्षित	5	माध्यन्दिनी
483.	टोड़ीवाल	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	कौथुमी
484.	टिकणायक	कृष्णावेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
485.	टाटोपरो	धनञ्जय	जोशी	3	यजवंसी
486.	टिटोर्‌या	आलम्बायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
487.	टापुन्यामित्र	जन्हु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
488.	टिलावत	वशिष्ट	शुक्ल	2	कौथुमी
489.	टडोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
490.	टंट प्रधान	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
491.	ठगा	कृष्णवेण्यम	व्यास	3	वाजसनीय
492.	ठोरिया	पूर्णातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
493.	ठका	दरभायण	व्यास	2	माध्यन्दिनी
494.	ठिकरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
495.	डोरंडवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वस्यायन
496.	डोल्या	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
497.	डकन्यास	वृद्धि	व्यास	3	माध्यन्दिनी
498.	डाकोल्या	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
499	डाचोल्या	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
500.	डिडवान्या	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
501.	डोरीवाल	वरवंगन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
502.	(डोरवाल)	वरवंगन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
503.	डोल्या	सोपायन	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
504.	डिगलवाल	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
505.	डासी	मित्रावरूण	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
506.	डबडा	वोधायन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
507.	डिबका	कांचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
508.	डोडराव	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
509.	डसलियर	आलवायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
510.	डीडवानिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
511.	डोकवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
512.	डडवाड्या	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
513.	डोरवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
514.	डोडवाडिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
515.	डुगरपुरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
516.	डडवालिये	भृगु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
517.	डबोधिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
518.	डोल्या	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
519.	डिगथालिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
520.	ढ़ीगथलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
521.	ढ़ांचोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
522.	ढ़करण	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
523.	ढ़लयाल्या	कत्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
524.	ढ़ड	सोपायन	मिश्र	4	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
525.	ढ़ीलिवाल	सोपायन	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
526.	ढ़गी	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
527.	ढ़ंकरड	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
528.	ढ़लवाण्या	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
529.	ढ़ांका	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वालायन
530.	ढ़ांचोलिया	वृहस्पति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
531.	(ढ़ोचोल्या)	वृहस्पति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
532.	ढ़ंढ़ीर	धनञ्जय	तिवारी	3	कौथुमी
533.	ढ़ंग	अनाब्राह्याक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
534.	ढ़ंढ़	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
535.	तुसामिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
536.	तपोधश	अगस्त	व्यास	3	माध्यन्दिनी
537.	तिगडाणिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
538.	तुनगरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
539.	तालड	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
540.	तोस्याण	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
541.	तिगणियात	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
542.	तायगा तिवाड़ी	संस्कृत	पांडे	3	माध्यन्दिनी
543.	तावावत	हारी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
544.	तलवारिया	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
545.	तासरवाल	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
546.	तेनगुरिया	जैमिनी	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
547.	(त्रीगुणायक)	जैमिनी	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
548.	तमोलिया	जैमिनी	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
549.	तेनगुरिमा	जैमिनी	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
550.	तेरसका	धनञ्जय	तिर्वेदी	3	कौथुमी
551.	तोंदवाल	कौडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
552.	तिडोल्या	वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
553.	तणतण	विष्णु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
554.	तदावत	हरि	व्यास	3	माध्यन्दिनी
555.	तिगुणायत	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
556.	तुसामरिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
557.	तुन्दवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
558.	तिलोडिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
559.	तिवाड़ी	सांकृत्व	तिवारी	3	कौथुमी
560.	तूंगणायक	भारद्वाज	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
561.	ताकलन	गौतम	गोस्वामी	3	माध्यन्दिनी
562.	थमीका	जैमिनिय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
563.	थानेसरिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
564.	थानेसरिया	काश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
565.	थनकटा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
566.	दरधु	वाशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
567.	दवलत	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
568.	ददभरिया	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमी
569	दांतला	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
570.	दारोला	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
571.	दालपाणी	धृतकौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
572.	दीक्षित	काणवायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
573.	दुजिमेका	भार्गव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
574.	दादरा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
575.	दिपाल	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
576.	दीक्षित	वाशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
577.	दूजिमेका	भार्गव	दीक्षित	4	माध्यन्दिनी
578.	दुलारिया	भार्गव	दीक्षित	4	माध्यन्दिनी
579.	दृदयो	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
580.	दूदोलिया	सांकृत	पांडे	3	माध्यन्दिनी
581.	(दौलिया)	सांकृत	पांडे	3	माध्यन्दिनी
582.	देवसोरी	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
583.	देगडिया	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
584.	दोराड़	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
585.	(दरड़)	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
586.	द्विवेदी प्रधान	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
587.	द्वजाणिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
588.	दाना	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
589.	दुबे	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
590.	दुलिणहट	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
591.	दांतोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
592.	दीक्षित कंड	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
593.	दोलत	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
594.	दामानील	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
595.	दिवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
596.	दधीया	कुशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
597.	दिगत	वलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
598.	दुपटया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
599.	दोलत	अत्री	जोशी	3	कौटिन्य
600.	दिवंडा	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
601.	देविल	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
602.	दामोदा	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
603.	दगड	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
604.	ददबेचा	मालवनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
605.	ददभरिया	शांडिल्य	जोशी	3	कौथुमी
606.	द्रविडा	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
607.	दिलिपाण	धृतकौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
608.	दादाभाई	जावाली	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
609.	देवमोर	कांचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
610.	दरवाजा	अव्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
611.	ददरी	वैयाग्रपद्य	व्यास	मेक प्रवर	माध्यन्दिनी
612.	दूदौल्या	सांकृत्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
613.	द्विवेदी प्रधान	परवृद्ध वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
614.	देवलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
615.	देवाचिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
616.	दोरलिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
617.	दुलोणिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
618.	दोहलिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
619.	दिपाल	मुदगल	पुरोहित	3	वाजसनीय
620.	धरड	भारद्वाज	मिश्र	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
621.	धरड़	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
622.	(धारूड)	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
623.	धरिडवाल	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
624.	धरवाणी	कपिल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
625.	धारजाणा	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
626.	धावंड़ा	कौटिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
627.	धारका	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
628.	धीमरवाल	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
629.	धृवपाल्या	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
630.	धोकधाणी	कात्यायण	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
631.	धरगंडा	कण्व	व्यास	3	माध्यन्दिनी
632.	धाकलाणी	सावर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
633.	धोरू	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
634.	धोल	कौडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
635.	धौलपुरिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
636.	धौरमैया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
637.	धौरेटिया	वत्स	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
638.	धामोल्या	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
639.	धगजाया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
640.	धन्तलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
641.	धमुकाल्या	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
642.	धूमर	वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
643.	धरगंड	कण्व	व्यास	3	माध्यन्दिनी
644.	धरदा	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
645.	धाबुधुका	केशव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
646.	धारवाग	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
647.	धौरी	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
648.	धारमोर	मांडल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
649.	धानाणी	कांचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
650.	धीधरीका	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
651.	धूरीवाल	अव्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
652.	धोलिका	वासुकी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
653.	धरवर	वासुकी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
654.	धोसीका	वासुकी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
655.	धामणीमिश्र	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
656.	धुचोलिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
657.	धमुणिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
658.	धडे	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
659.	धूपला	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
660.	धरंल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
661.	धर्मपुरिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
662.	धगलरया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
663.	धारणादेव	सावर्णि	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
664.	धनकारिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
665.	धरेसराजोशी	गौतम	जोशी	3	माध्यन्दिनी
666.	नकरीवाल	गविष्ठर	जोशी	3	माध्यन्दिनी
667	नावीजा	अष्टावक्र	जोशी	3	माध्यन्दिनी
668.	नडगावत	संरवना	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
669.	नर्रउआ	गर्ग	दीक्षित	3	पिप्पलायनी
670.	नरवरिय	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
671.	निरंगा	कांचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
672.	नदवाणी	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
673.	नगीया	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
674.	नारनौलिया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
675.	नाकला	कौडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
676.	नागौरिया	कौंडान्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
677.	नागावाणा	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
678.	नादावतिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
679.	नागपाण	जावाली	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
680.	नाटा	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
681.	(नाठा)	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
682.	नादाणी	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
683.	निदामपुरिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
684.	नुनेरिया	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
685.	नेठक	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
686.	नोली	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
687.	नोस्या	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
688.	नोंहिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
689.	नोटोदा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
690.	नौगइया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
691.	नारैया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
692.	निगरवाल	सुपर्ण	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
693.	नातवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
694.	नागरवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
695.	(नंगुरवाल)	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
696.	नतोदया	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
697.	नरवरीवाल	अत्री	जोशी	3	कौटिन्य
698.	नेणक	वशिष्ठ	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
699.	नाकला	वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
700.	नाग	कण्व	व्यास	3	माध्यन्दिनी
701.	नंगा	अगस्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
702.	नोरजली	उपमन्यु	जोशी	3	माध्यन्दिनी
703.	नोली	उपमन्यु	जोशी	3	माध्यन्दिनी
704.	नीक	धृत कौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
705.	नदवाणी	वात्सना	जोशी	3	माध्यन्दिनी
706.	नोरका	आलम्वायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
707.	नाथोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
708.	नगटयाल	मित्रावरूण	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
709.	नादावतया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
710.	नरदाणी	केशव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
711.	नवदीया	सावर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
712.	नरवडा	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
713.	नावदया	सोभराज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
714.	नरंकोडा	शांक्रत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
715.	नागपत्र	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
716.	नरडा	काणवायन	जोशी	4	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
717	नोपत	कौशिक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
718.	निगरवाल	कौशिक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
719.	नानिया	कौशिक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
720.	नल	कौशिक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
721.	नोदा	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
722.	नेण्या	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
723.	नंगावत	वलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
724.	नरया	सावर्णि	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
725.	नगचारी	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
726.	नावंडा	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
727.	नरवाजा	अव्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
728.	नरकिया	जैमिनिय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
729.	नामसोरा	दालव्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
730.	नड़का	वैयाग्रपद्य	व्यास	मेकप्रवर	माध्यन्दिनी
731.	नारूडा	शौनक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
732.	नौताणिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
733.	नेघलिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
734.	निर्मल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
735.	नागवाण	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
736.	नरेडा	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
737.	न्यायस्थानी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
738.	निरथलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
739.	निगमबोधिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
740.	नेतवालिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
741.	नातवाला	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
742.	नरहेड़वाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
743.	निरालिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
744.	नाड़	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
745.	नगुवाल	सुपर्ण	व्यास	3	माध्यन्दिनी
746.	निगरवाल	सुपर्ण	व्यास	3	माध्यन्दिनी
747.	नगुरा	सुपर्ण	व्यास	3	माध्यन्दिनी
748.	नरवलिया	परवृद्ध वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
749.	नैचीरिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
750.	नारनोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
751.	नागवाण	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
752.	नाकड़े	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
753.	नागवत्ण	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
754.	नंगुरवाल	शांडिल्य	जोशी	3	कौथुमी
755.	नागोल्या	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
756.	नानोल्या	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
757.	नेवेटोया	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
758.	नेकपाल	चन्द्रयान	जोशी	3	माध्यन्दिनी
759.	नुणीवाल	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
760.	नारेला	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
761.	नौतारिया	गौतम	व्यास	3	माध्यन्दिनी
762.	नारोलिया	अत्रि	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
763	नाथोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
764.	नालिपालिय	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
765.	नुन्दवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
766.	पचरंग्या	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
767.	पडिलिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
768.	पंचलाणि	पारासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
769.	पंचगुणी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
770.	पंचगुणी	भार्गव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
771.	पानडया	वात्सना	जोशी	4	माध्यन्दिनी
772.	पत्सारिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
773.	पंचलग्या	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
774.	पंचार्या	सांकृत	पांडे	3	माध्यन्दिनी
775.	पंडया	सोपायन	मिश्र	4	माध्यन्दिनी
776.	पासछोडिया	कात्यायन	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
777.	पागोल्या	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
778.	पावलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
779.	पहाकतारी	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
780.	पतालिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
781.	पटोदिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
782.	पण्डयाणा	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
783.	पांतिए	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
784.	पचालिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
785.	पांडयाण	अत्री	शुक्ल	3	कौथुमी
786.	पिलोदा	अगस्त	दीक्षित	3	वदवायन
787.	पंचलगिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
788.	पाठक	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
789.	पितरोत	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
790.	परासिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
791.	पीठवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
792.	पेटवाडिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
793.	पीहुवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
794.	पलड़िया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
795.	पान्डीया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
796.	पंचोली	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
797.	पावटा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
798.	पाचोलिया	शांडिल्य	जोशी	3	कौथुमी
799.	पर्वती	शाण्डिल्य	जोशी	3	कौथुमी
800.	पाठक	शाण्डिल्य	जोशी	3	कौथुमी
801.	पिलाण	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
802.	पिडाणेवरलिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
803.	पवालिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
804.	पानडया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
805.	पिपरोटा	काशकृतस्तु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
806.	(पारोटया)	काशकृतस्तु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
807.	पीपोल्या	काशकृतस्तु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
808.	पैगरिया	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
809.	पोत	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
810.	पोपल्या	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
811.	परत्रु	काश्यप	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
812.	परीतु	बलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
813.	पलिया	बलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
814.	पुरोहितका	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
815.	पलीखाता	मानवनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
816.	पोरटया	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
817.	पुलटेरया	कशव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
818.	पलस्ति	कर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
819.	पीपल्या	शौनक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
820.	पगोल्वा	मौदगल्य	देव शर्मा	3	माध्यन्दिनी
821.	पादुदिया	शानक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
822.	पीलोदिया	वृद्धि	व्यास	3	माध्यन्दिनी
823.	पानरवाल	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
824.	पिडिपाप्या	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
825.	पिडारा	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
826.	पिलोदिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
827.	पीपरधानिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
828.	फुलड़िया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
829.	फुटवा	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
830.	फलोड़िया	सांकृत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
831.	फवरिया	सांकृत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
832.	फठवाडिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
833.	फतेहपुरिया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
834.	फरेट	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
835.	फरमानिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
836.	फटवाडिया व्यास	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
837.	फटवाडिया	ओसेश्वर	जोशी	3	अश्वलायन
838.	फटवाड्या	भारद्वाज	व्यास	3	माध्यन्दिनी
839.	बाईतिका	विष्णु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
840.	बालधना	गविष्ठर	जोशी	3	माध्यन्दिनी
841.	बिवौलिया	कविस्त	वायपेयी	3	माध्यन्दिनी
842.	बरसिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
843.	बाझड़ा	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
844.	बबेरवाल	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
845.	विरहठवाल	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
846.	बनवारिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
847.	(बनावड़िया)	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
848.	बलमकर	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
849.	बबंदा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
850.	बवीया	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
851.	बड़का	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
852.	बहरवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
853.	बरूणा	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
854.	बदेरा	कपिल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
855.	बशिष्ठ	धृतकौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
856.	बबु	हारी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
857.	बत्सारा	काशकृतस्तु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
858.	बिसोर	कर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
859.	बण्या	वरवंगन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
860.	बछगड़या	कविस्त	वाजपेयाी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
861.	बस्तीवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वालायन
862.	विश्वम्भरा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
863.	बरनैया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
864.	बीहरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
865.	बाकोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
866.	बाहरिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
867.	बिडाहट	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
868.	बड़थालिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
869.	बुंभरा	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
870.	बड़थालिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
871.	बागला	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
872.	बीमा	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
873.	बाक्षा	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
874.	बटोले	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
875.	बसूडवाल	जमदग्नि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
876.	बलमिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
877.	बहडोलिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
878.	बोरा	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
879.	बावलिया	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
880.	बागडोलिया	पारासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
881.	बनूडवाल	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
882.	बबेरवाल	अंगिरा	व्यास	3	माध्यन्दिनी
883.	बरूणवाल	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
884.	ब्रह्मवेदिया	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वजयनीय

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
885.	बिजनोटिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
886.	बगेरवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
887.	बासुखेड़ा	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
888.	बसेटिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
889.	बासोल्या	गर्ग	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
890.	बछीवाल	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
891.	बबड़	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
892.	बहिनीया	भागर्व	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
893.	बरथौनिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
894.	बढ़ौलिया	जैमिनी	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
895.	बादश	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
896.	बावणोधा	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
897.	वागोलवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
898.	बादरीवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
899.	बाबरवाल	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
900.	बाबलिया	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
901.	बामोरिया	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
902.	बाघौरिया	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
903.	बागोर्‌या	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
904.	बांदोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
905.	वसिष्ठ	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
906.	बवेरचाल	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
907	बासोधा	यमदग्नि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
908.	बासोड़वाल	यमदग्नि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
909.	बारल्या	सांकृत्य	पांडे	3	माध्यन्दिनी
910.	बखेड़ा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
911.	बड़ीवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
912.	व्यास	कृष्णवेश्यय	व्यास	3	वजसनीय
913.	विढ़ाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
914.	बिषंकरिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
915.	ब्रजवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
916.	बगरहटा	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
917.	बाहूनदिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
918.	बाघडोलिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
919.	वृदाणिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
920.	बराड़	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
921.	विजयचारण	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
922.	वाह्याया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
923.	बुरा	कौशिक	अग्निहोत्री	3	आश्वलायन
924.	वामणोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
925.	वियाला	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
926.	वींवाल	भारद्वाज	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
927.	विजचाण	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
928.	बवेर	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
929.	बड़ीवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
930.	विजणेट	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
931.	बावेलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
932.	बालोचिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
933.	व्योरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
934.	विजयवाणी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
935.	बासोसिया	वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
936.	बावल्या	उपमन्यु	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
937.	बावनया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
938.	बारोट्या	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
939.	बिचौलिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
940.	बीसूवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
941.	बींवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
942.	बुवाल	यमदग्नि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
943.	बेण	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
944.	बोगड़	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
945.	बोहरा	धनञ्चय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
946.	बीयाला	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
947.	बावणोदा	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
948	बडव्यास	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
949.	बड़ोदिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
950.	विरहटवार	कोडिन्य	अग्निहोत्री	3	,,
951.	बिसमरा	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
952.	बखैया	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
953.	बिवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
954.	बिवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
955.	बारोटया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
956.	बुवाल	यमदग्नि	तिवारी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
957.	बावलिवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
958.	बीरहीतका	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
959.	बोदायला	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
960.	बसण	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
961.	बावुधा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
962.	विठुरिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
963.	विजयचारण	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
964.	व्योहाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
965.	बबरोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
966.	विश्वम्भराप्रधान	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
967.	बरताड़	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
968.	बड़गामिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
969.	बड़ीठवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
970.	ब्योलिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
971.	बाजरे	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
972.	व्यास	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
973.	बलेणिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
974.	बूटोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
975.	बाकोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
976.	बबेरवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
977.	बिदुरिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
978.	विजणेट	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
979.	वियाला	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
980.	बासोतिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
981.	बोघड़	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
982.	बाड़ीवाल चौधरी	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
983.	बुपणवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
984.	बचुका	अत्री	जोशी	3	कौटिण्य
985.	बावुन्या	कृष्णवेण्यम	व्यास	3	वजसनीय
986.	बजेचान	कृष्णवेण्यम	व्यास	3	वजसनीय
987.	बासोधा	यमदग्नि	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
988.	बड़ीवाल	परवृद्धि वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
989.	बावल्या	धनय	तिवार	3	यजुवंशी
990.	बुटोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
991.	बरबाका	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
992.	बिसमिला	बलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
993.	बसवेलिया	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
994.	बासोतिया	परवृद्ध वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
995.	बोलिया	सावर्णि	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
996.	वस्तीलिया	कण्ड	व्यास	3	माध्यन्दिनी
997.	बासोन्या	गर्ग	जोशी	3	माध्यन्दिनी
998.	बालधना	गविष्ठर	जोशी	3	माध्यन्दिनी
999.	व्यासोदयाति	यमदग्नि	त्रिपाठी	3	माध्यन्दिनी
1000.	बणाया	वरजंगन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1001.	बड़ा	वलि	जोशी	4	माध्यन्दिनी
1002.	बलाचिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1003.	ब्रह्मपुरिया	परवृद्ध वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1004.	बावल्या	उपम	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1005.	बावलिया	मुदगल	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1006.	विसम्बराप्रधान	पिप्पलायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1007.	बबरवाल	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1008.	भरीडवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1009.	भरधूनिया	धनत्रय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
1010.	भतरो	गर्ग	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1011.	भररोल्या	गर्ग	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1012.	भरमुनिया	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
1013.	भल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1014.	भलनपरी	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1015.	भादोलिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1016.	भालिका	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1017.	भाड़वाड़	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1018.	भारा	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1019.	भाउका	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1020.	भारंगा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1021.	भादुपोता	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
1022.	भारंडवाल	सास्कृत	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1023.	भिवाल	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1024.	भारंडवाल	सास्कृत	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1025.	भींडवाल	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1026.	भिडा	वासुकी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1027.	भिंडा	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1028.	(भैंडा)	गौतम	अग्निहोत्री	4	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1029.	भीलवाल	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1030.	भीतिया	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1031.	भूवंरा	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1032.	भूंसना	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1033.	भोगर	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1034.	भोगराणप्रधान	पिप्पलायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1035.	भक्षु	काश्यप	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1036.	भरसडवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1037.	भबुरा	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1038.	भारण्डा	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1039.	भादुबड़	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1040.	भरवाल्या	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1041.	भवारया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1042.	भटला	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1043.	भटरीका	मौदगल्य	पुरोहित	3	वाजसनीय
1044.	(भठरिखा)	मौदगल्य	पुरोहित	3	वाजसनीय
1045.	भाडपाड	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वादवायन
1046.	भागउठया	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वादवायन
1047.	भकल	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1048.	भदो	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
1049.	भसपा	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1050.	भरत्थोल्या	गर्ग	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1051.	भेसलाणी	शांक्रत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1052.	भगलसाण	धृत कौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1053.	भाटखोर	जन्हु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1054.	भा: भा:	कर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1055.	भातरा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1056.	भिंवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1057.	भरथलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1058.	भारतीया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1059.	भैसुरिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1060.	भूंवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1061.	भीडा	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1062.	भव्यावलिया	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1063.	(भट्टावलिया)	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1064.	भादुपोता	शौनक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1065.	भदवालिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1066.	भडचकी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1067.	भादुका	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1068.	भीडा जोशी	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1069.	भगरवाल	अत्री	शुक्ल	3	कौथुमी
1070.	भतरी	गर्ग	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1071.	भंरीड	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वालायन
1072.	भटव्यास	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1073.	भारा	जैमिनिय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1074.	भागरी	वैयाग्रपद्य	व्यास	नेक प्रवर	माध्यन्दिनी
1075.	भूतिया	वैयाग्रपद्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1076.	भदवाणी	अष्टावक्र	जोशी	3	माध्यन्दिनी

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1077.	भदवासिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1078.	भेड़ा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1079.	भूदोज	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1080.	भंडालवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1081.	भट्टावलिया	शांडिल्य	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1082.	भींडा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1083.	भांगड़ स्वामी	भार्गव	स्वामी	4	माध्यन्दिनी
1084.	भंगोरिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1085	भवोवाणी	अष्टावक्र	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1086.	माला	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1087.	माहोनिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
1088.	(मावल्या)	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
1089.	मानौरिया	कौडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1090	मथरिमा	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1091.	मादानी	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
1092.	माठा	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1093.	मांडोल्या	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1094.	मांचोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1095.	मारस्या	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1096.	मासालवावाल	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1097.	मासोल्या	वरवंगन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1098.	मारस्था	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1099.	महर्षिया	भारद्वाज	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1100.	मामडोल्या	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1101.	मागरखोइया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1102.	मोरोलिया	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1103.	मुदडत	अधमर्षण	जोशी	3	त्रांदविशाखा
1104.	मुछमरोड़ा	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
1105.	मुडसैनिया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1106.	मुड़ला	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1107.	मुडजोरिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1108.	मठिनार	मित्रावरूण	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
1109.	मूतिया	वैयाग्रपद्य	व्यास	मेकप्रवर	माध्यन्दिनी
1110.	मुवारस्वामी	पारासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1111.	मुडाजरे	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1112.	मांडोलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1113.	मुसरान	भार्गव	दीक्षित	4	माध्यन्दिनी
1114.	(मुसरिहा)	भार्गव	दीक्षित	4	माध्यन्दिनी
1115.	मुंदोरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1116.	मेन	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1117.	मेलु	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1118.	मेडवाल	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1119.	मोसवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
1120.	मोरीया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1121.	मोटाल्या	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1122.	मोमनिया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1123.	मोदवाल	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
1124.	मुहरेनिया	सांकृत	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1125.	मांडोठिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1126.	महता	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1127.	मामडोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1128.	मंजीठवाल	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1129.	मरहटा	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1130.	मंडावरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1131.	महतपा	जैमिनि	श्रोत्रिया	3	माध्यन्दिनी
1132.	मिरचिया	अंगिरा	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1133.	मन्दोरिया	सुपर्ण	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1134.	मैनवाल	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1135.	मठानिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1136.	मुदहट	यमदग्नि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1137.	मोनस	शांडिल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1138.	मंगोलिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1139.	मुहरेनिया	सांस्कृत	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1140.	मुगानीया	कौशिक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1141.	मरत्रु	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1142.	मोडिवावत	कण्व	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1143.	मोकचुम्बा	पारासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1144.	मोपल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1145.	मालामक्षु	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1146.	मुडला	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1147.	मस्तिया	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1148.	मोकटी	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1149.	मुलताना	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1150.	मेसलाणी	शांकृत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1151.	मूर्तिया	आलम्वायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1152.	मलढकोट	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1153.	मारवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1154.	मासोलबावाल	मौदगल्य	पुरोहित	3	वाजसनीय
1155.	मोमाण्या	शक्ति	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1156.	मूंड	कृष्णवेण्यम	व्यास	3	वाजसनीय
1157.	मोडवाल	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
1158.	मोडविवत	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1159.	मोरव	वशिष्ठ	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1160.	मोटा	वशिष्ठ	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1161.	मारजाण	उपम	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1162.	मोक	विष्णु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1163.	मोरवार	कश्यप	तिवारी	3	,,
1164.	मोटा	कौडिल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1165.	मामलोर	शोदी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1166.	ममईवाल	गविष्ठर	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1167.	मामलोडया	धृतकौशिक	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1168.	मणिहार	मित्रावरूण	स्वामी	3	माध्यन्दिनी
1169.	मनचकी	काश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1170.	मारोलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1171.	मगलोरिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1172.	मोटेका तुसाणिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1173.	मोगरा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1174.	मागस	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1175.	मंडोलिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1176.	मता	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1177.	मुहालेवाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1178.	मोटा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1179.	मन्डोलिया	अत्री	शुल्क	3	माध्यन्दिनी
1180.	महर्षि	अगस्त	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1181.	म्वाणिया	अगस्त	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1182.	मंगलोरिया	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1183.	मठवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1184.	महरवाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1185.	मलु	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1186.	मोतिया मुइका	हारी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1187.	(मुइका)	हारी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1188.	माटोल्या	अव्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1189.	मंडोरिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1190.	मार्जनी	वशिष्ठ	शुल्क	3	कौथुमी
1191.	मारस्या	भारद्वाज	भावन शास्त्री	3	माध्यन्दिनी
1192.	मन्दोरमा	भृगु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1193.	महूवार	विरधा मित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1194.	मरवानिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1195.	रोधईया	कश्यप	तीवाई	3	माध्यन्दिनी
1196.	रदवाजा	अव्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1197.	रोडिवाल	वरवंगन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1198.	रस्सीवाल	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1199.	रजमोरिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1200.	रहुतिया	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1201.	रांडौलिया	कौडिन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1202.	राजोरिया	गौतम	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1203.	(राजोर्‌या)	गौतम	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1204.	रामपुरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1205.	राणोल्या	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1206.	रूखवाल	कौडिन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1207.	रूषेजा	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1208.	रैवाडिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1209.	रोनीजा	अत्री	जोशी	3	कौटिन्य
1210.	राधावत	संरवना	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1211.	रामहदिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1212.	रामायणिया	वशिष्ठ	शुल्क	3	कौथुमि
1213.	रामे	अत्री	शुल्क	3	कौथुमि
1214.	रेवलिया	कृष्णवेश्यय	व्यास	3	वजसनीय
1215.	रामपरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1216.	राईवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1217.	रोलिवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1218.	रतेलवाल	यमदग्नि	श्रोत्रिय	4	माध्यन्दिनी
1219.	राम्‌ड़या	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1220.	रामगढिया	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1221.	रूलवाल	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1222.	रावलमा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1223.	रतेलवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1224.	रहथला	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1225.	रामे प्रधान	भृगु	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1226.	रामा	शोरी	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1227.	रामपुरियामित्र	राहु	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1228.	राधिका वशिष्ठ	जावाली	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
1229.	राजिन्दा	मार्केंडेय	जोशी	2	शोरिनां
1230.	रोलवाल	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1231.	रावरया	लोमाक्ष	जोशी	2	माध्यन्दिनी
1232.	रतिवाल	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1233.	रोहितिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1234.	लोकण्डा	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1235.	लोडया	जावाली	आचार्य	3	माध्यन्दिनी
1236.	लोहण्या	वात्सनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1237.	लखाणा	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1238.	लिदण्या	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1239.	लाटा	जातुकर्ण्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1240.	लापस्यामोर	जातुकर्ण्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1241.	लुंडेरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1242.	लाल	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1243.	लादण्या	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1244.	लुणिवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1245.	लाटा	अगस्त	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1246.	लाम्बा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1247.	लाल चौव्या	भारद्वाज	चौबे	3	माध्यन्दिनी
1248	सनकल	कौंडियम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1249	सुपारिया	शोनिक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
1250.	सिन्दड	सावर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1251.	शलकिया	गर्ग	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1252.	शुमेरोडिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1253.	सरमोर	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1254.	संकटतोड़	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1255.	सहजचौकीवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1256.	समधा	मोदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1257.	सरसालिया	वाशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1258.	(सरसोल्या)	वाशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1259.	सावदो	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1260.	सरसोल्या	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1261.	संचोरिया	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
1262.	सरवला	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1263.	समदरवाल	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
1264.	सपोज	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
1265.	सकलवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1266.	सकर्सिया	कविस्त	वाजपेयी	3	माध्यन्दिनी
1267.	सारोल्या	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1268.	साकटा	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1269.	सारसीवाल	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1270.	सासदा	काशकृतस्नु	पुरोहित	3	वदवायन
1271.	साड़ोल्या	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1272.	सांजानेरिया	धनञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
1273.	साड़ोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1274.	सुरचान्या	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1275.	सामेर	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1276.	सान	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1277.	सांगानेरिया	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1278.	सातुखरा	वृहस्पती	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1279.	सागवान	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमी
1280.	सिड़ोल्या	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1281.	सिरोइया	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1282.	सिकरवाल	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1283.	सीवर	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1284.	शुभका	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1285.	सुड़वाल	कौशिक	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1286.	सुपोज	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1287.	सुरभटवाल	धन्ञ्जय	त्रिवेदी	3	माध्यन्दिनी
1288.	सुरोल्या	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1289.	संगेला	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1290.	सुरोलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1291.	सुरोल्या	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1292.	सुभटा:	विश्वामित्र	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1293.	सुस्वान्या	सांकृत	पांडै	3	माध्यन्दिनी
1294.	सेयल	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1295.	सेलुपरया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1296.	सोपल्या	अत्री	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1297.	सोनाइया	कौंडिन्य	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1298.	सोनवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1299.	सिरोल्या	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1300.	(सुरोल्या)	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1301.	शुक्लपुरिया	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1302.	शाठिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1303.	सरभला	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1304.	सुकेतिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1305.	सुरोलिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1306.	सारल्या	सांकृत	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1307.	समधा	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1308.	सिम्मनवाल	गौतम	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1309.	सुरीपिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1310.	सोंधानिया	भार्गव	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1311.	सोंकरवाल	शौनक	द्विवेदी	3	माध्यन्दिनी
1312.	संधीवाल	सांकृत	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1313.	सीवर	भार्गव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1314.	सीदर	मार्केण्डेय	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1315.	सकलवाल	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1316.	सावडा	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1317.	सीडीवाल	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1318.	सिवरीवाल	कश्यप	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1319.	श्रसी	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1320.	सीरमोर	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1321.	(सरमोर)	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1322.	सिवलोडया	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1323.	सिडोल्या	अंगिरा	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1324.	सडवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1325.	समदीवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1326.	सुपरिवाण	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1327.	सीगलवाल	वाक्षिल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1328.	सीगावत	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1329.	सीगीवात	शांडिल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1330.	साई	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1331.	सोपल्या	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1332.	साणा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1333.	साकेटाणा	हारी	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1334.	साखोलिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1335.	सिडोलिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1336.	सहल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1337.	सातोरिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1338.	सुरोलिया	भारद्वाज	दुबे	3	माध्यन्दिनी
1339.	सीभला	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1340.	सीलोठिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1341.	सावलोदिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1342.	सांकलश	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1343.	संपलवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1344.	शिवाहया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1345.	सागवाल	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1346.	सिरसोलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1347.	सर्पदमा	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1348.	शाणौलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1349.	सोरठया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1350.	सिन्दोलिया	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1351.	सिकारा	वत्स	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1352.	सूंधडत	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1353.	सोजतमा	शांडिल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1354.	सालवाल	हरित	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1355.	सांभरिया	हरित	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1356.	सुनपातिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुली
1357.	श्रीवाल	अत्री	जोशी	3	कौटिन्य
1358.	संडाकया	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वाजसनीय
1359.	सिगल	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
1360.	सिरोडिवाल	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
1361.	श्रीमिति	पूर्वातिथिनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
1362.	सवचवा	मालवनां	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1363.	सिरोडिवाल	रेवण	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1364.	सिरकोल्या	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1365.	सुरनावल्या	वशिष्ठ	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1366.	सिसवान्या	बन्थुल	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1367.	सारधूमा	सावर्णि	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1368.	सरोपट	अगस्त	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1369.	सलेवाल	सावर्ण	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1370.	सुरसोल्या	शांडिल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1371.	सुपरोटा	सोमराज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1372.	सुरपडा	सोमराज	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1373.	सरवरिया	चन्द्रायन	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1374.	सेठो	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1375.	सारसोल्या	वशिष्ठ	तिवारी	3	माध्यन्दिनी
1376.	सिद्धी	मौदगल्य	देवशर्मा	3	माध्यन्दिनी
1377.	सिधिचारणा	लोभाक्ष	जोशी	2	माध्यन्दिनी
1378.	सरकसेटो	तंत्री	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1379.	सोरथिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1380.	सुठया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1381.	सिम्मनवाल	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
1382.	सिरसौनिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1383.	सर्पदसा	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1384.	सांखोलिया	अत्री	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1385.	सिरोहीवाल	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1386.	सर्पदमा	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1387.	सफीदमीवाल	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1388.	सिवाल	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1389.	सुरिलिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1390.	शिवपुरिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1391.	सोरिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1392.	सिलाणिया	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1393.	सिमावत	वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1394.	सिरसोणिया	अत्री	शुक्ल	3	कौथुमी
1395.	सागवाल	अत्री	शुक्ल	3	कौथुमी
1396.	साखोलिया	अत्री	शुक्ल	3	कौथुमी
1397.	सालोडिया	कृष्णवेण्यय	व्यास	3	वजसनीय
1398.	सिहवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1399.	स्याणिया	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1400.	सिरोहीवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1401.	सेदुखेर	मांडन्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1402.	सीरापट	शौनक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1403.	सोपल्या	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1404.	संचोरया	शौनक	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1405.	सकरा	कोचन	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1406.	सेलुपरया	जैमिनिय	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1407.	सारट	वैयाग्रपद्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1408.	सिवाल	वैयाग्रपद्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1409.	सादावत	वलि	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1410.	सुपरीवाण	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1411.	सुरसोला	गविष्ठर	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1412.	सुरवान्या	सांस्कृत	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1413.	सुरचान्या	भार्गव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1414.	सूडवाल	अनाब्रह्माक्ष	शुक्ल	3	माध्यन्दिनी
1415.	सुरोलिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1416.	सिवाल	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1417.	सोरिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1418.	सिलाणिया	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1419.	सिमावत	वशिष्ठ	शुक्ल	3	कौथुमी
1420.	शिमल्या	भारद्वाज	चौबे	3	माध्यन्दिनी
1421.	हरितवाल	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1422.	(हातीवाल)	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1423.	हारोल्या	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1424.	हारोल्या	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1425.	हरसान्या	अत्री	शुक्ल	3	कौटिन्य
1426.	हरदान्या	कौंडिन्य	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1427.	हरवाणी	वामदेव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1428.	हयग्रीवा	वामदेव	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1429.	हिकलारा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1430.	हदया	जैमिनि	श्रोत्रिय	3	माध्यन्दिनी
1431.	हिदावत	कौशिक	अग्निहोत्री	3	अश्वलायन
1432.	होरिया	पूर्वातिथनाम	त्रिपाठी	3	श्रीभ्रीति
1433.	हरहरी	शांडिल्य	जोशी	3	कौथुमी
1434.	हलकारा	मौदगल्य	पुरोहित	3	माध्यन्दिनी
1435.	हूपटयाण	कणवायन	जोशी	4	माध्यन्दिनी
1436.	हलकीया	दरमायन	व्यास	3	माध्यन्दिनी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1437.	हिसारीया	परासर	मिश्र	3	माध्यन्दिनी
1438.	हलदोलिया	परवृद्ध वशिष्ठ	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1439.	हरितवाल	शांडिल्य	अग्निहोत्री	3	कौथुमी
1440.	हीहरवाल	कौशिक	व्यास	3	माध्यन्दिनी
1441.	हयवाहेती	अगस्त	दीक्षित	3	माध्यन्दिनी
1442.	हल्देनिया	भारद्वाज	पांडे	3	माध्यन्दिनी
1443.	हरितवाल	शांडिल्य	जोशी	3	माध्यन्दिनी
1444.	हुकमन	भारद्वाज	जोशी	3	माध्यन्दिनी

गोत्र क्या है....!

सनातन धर्म में गोल का बहुत महत्तव है। ''गोत्र'' का शाब्दिक अर्थ तो बहुत व्यापक है। विद्वानों ने समय–समय पर इसकी यथोचित व्याख्या भी कि है।

''गो'' अर्थात् इन्द्रियाँ, वहीं ''त्र'' से आशय है ''रक्षा करना'',

अत: गोत्र का एक अर्थ '' इन्द्रिय आघात से रक्षा करने वाले'' भी होता है जिसका स्पष्ट संकेत ''ऋषि'' की ओर है। सामान्यत: ''गोत्र'' को ऋषि परम्परा से सम्बन्धित माना गया है। ब्राह्मणों के लिए तो ''गोत्र'' विशेषरूप से महत्त्वपूर्ण है क्योकि ब्राह्मण ऋषियों की सन्तान माने जाते हैं। अत: प्रत्येक ब्राह्मण का सम्बन्ध एक ऋषिकुल से होता है। प्राचीनकाल में चार ऋषियों के नाम से गोत्र परम्परा प्रारम्भ हुई। ये ऋषि है–अगिरा, कश्यप, वशिष्ठ और भगु हैं। कुछ समय उपरान्त जमदग्रि, अत्रि, विश्वामित्र और अगस्त्य भी इसमें जुड़ गए। व्यावहारिक रूप में ''गोत्र'' से आशय पहचान से है। जो ब्राह्मणों के लिए उनके ऋषिकुल से होती हैं।

गौड़ ब्राह्मणों की ऋषि गोत्रानुसार पदवियाँ
जो गोत्रावली के अन्तर्गत लिखित हैं

1. अत्री-अत्रिय-शुक्ल जोशी । 2. अंगिरा-जोशी, व्यास । 3. अगस्त-जोशी, दीक्षित । 4. आलवायन-जोशी । 5. अघमर्षण-जोशी । 6. अनाब्रह्माक्ष-शुक्ल । 7. अष्टावक्र-जोशी । 8. अव्य-व्यास । 9. उत्तम-जोशी। 10. उद्दालक-पालक । 11. उपम-जोशी । 12. उपमन्यु-जोशी । 13. कविस्त-वाजपेयी । 14. कश्यप-तिवारी, त्रिपाठी। 15. काश्यप-जोशी। दीक्षित । 16. काशकृतस्नु-पुरोहित । 17. कौशिक-अग्निहोत्री, व्यास, दीक्षित । 18. कांचन-व्यास । 19. काणवायन-जोशी । 20. केशव-जोशी । 21. कौन्डिन्य-अग्निहोत्री। 22. कपिल-जोशी। 23. कात्यायन-त्रिपाठी, जोशी । 24. कृष्णवेण्यन-व्यास । 25. कण्ड-व्यास । 26. कर्ण-जोशी । 27. गौतम-अग्निहोत्री, तिवारी । 28. गर्ग-दीक्षित, जोशी । 29.गोलव-शुक्ल । 30. गोभिल-जोशी । 31. गविष्ठा-जोशी । 32. च्यवन-पुरोहित । 33. चद्रायन-जोशी। 34. जैमिनी-श्रोत्रिय । 35. जमदग्नि-श्रात्रिय। 36. जन्हु-व्यास । 37. जावाली-आचार्य । 38. जैमिनिय- व्यास। 39. तंत्री-व्यास । 40. दरभायन-व्यास । 41. दालम्य-जोशी। 42. धृतकौशिक-शुक्ल । 43. धनंजय-त्रिवेदी । 44. परवृद्ध वशिष्ठ-जोशी, शुक्ल, व्यास । 45. पूर्वातिथिनाम-त्रिपाठी, तिवारी । 46. पारासर-मिश्र, स्वामी । 47. वशिष्ठ-शुक्ल, जोशी, उपाध्याय, व्यास । 48. वाशिष्ठ-शुक्ल,जोशी, व्यास। 49. वात्सना-जोशी, 50. वाक्षिल्य-पुरोहित। 51. वृहस्पती-जोशी । 52. वत्स-मिक्ष । 53. बलि-जोशी। 54. विश्वामित्र-जोशी, व्यास । 55. व्योंग-आचार्य । 56. वासुकी-व्यास । 57. वृद्धि-व्यास । 58. वामदेव-जोशी । 59. विष्णु-व्यास । 60. बोधायन-व्यास। 61. वरवंगन-जोशी । 62. बन्थुल-जोशी । 63. वैयाग्रपद्य-व्यास । 64. भार्गव-दीक्षित, जोशी, स्वामी। 65. भारद्वाज-पांडे, तिवारी, चौबे, चतुर्वेदी, जोशी, दूबे, मिश्र । 66. भृगु-व्यास । 67. मौदगल्य (मुदगल)-पुरोहित, देवशर्मा, मिश्र । 68. मालवना-जोशी। 69. मौनस-स्वामी । 70. मांडल-जोशी । 71. मित्रावरूण-स्वामी। 72. मार्कन्डेय-जोशी । 73. रेवण-पुरोहित ।

74. राहु-जोशी। 75. लोभाक्ष-जोशी । 76. शान्डिल्य-अग्निहोत्री, जोशी तिवारी । 77. सांस्कृत-व्यास, पांडे । 78. सांकृत-जोशी, व्यास, पांडे, दीक्षित, 79. शांकृत-जोशी । 80. शौनक-जोशी, द्विवेदी, व्यास । 81. सोमराज-जोशी । 82. सार्वण-जोशी । 83. सावर्णि-जोशी । 84. शोरी-पुरोहित । 85. संखना-जोशी । 86. शक्ति-जोशी । 87. सुपर्ण-व्यास । 88. सोपायन-मिश्र। 89. श्रासेश्वर-जोशी । 90. हरितस-जोशी, व्यास, मिश्र। 91. हारी-व्यास।

उपयुक्त ऋषि गोत्र की पदवियों के अतिरिक्त भी ब्राह्मणों की अन्य पदवियाँ हो सकती है अर्थात् पदवियों का निर्धारण वेद-शास्त्रों के अध्ययन एवं कर्म काण्ड, ज्योतिष, पठन-पाठन, पुरोहितादि कार्य एवं श्रेष्ठ विद्वानों को राजा-महाराजा द्वारा प्रदत्त उपाधियों के अनुसार तथा स्थान और व्यवसाय के आधार पर बन जाती है। अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि अनेक ऋषि गोत्र वालों के अन्तर्गत, शासन धारकों की पदवी भिन्न-भिन्न वर्णित है। विवाह सम्बन्धों में ऋषि गोत्र और शासन का विचार प्रमुख्य है।

वर्तमान में ऋषि गोत्रानुसार पदवी के स्थान पर सभी ब्राह्मण 'शर्मा' पदवी का व्यवहार करते है। विशेषत: गौड़ ब्राह्मण अपने नाम के साथ शर्मा और गौड़ दोनों पदवी लगाते हैं । आज शैक्षणिक योग्यतानुसार शास्त्री, ज्योतिषाचार्य, साहित्यरत्न, विशारद आदि पदवियाँ भी लगाने की प्रथा है।

ऋषि गोत्रानुसार सूत्रादि की सूची

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
1.	अत्री	गोभलीय	यजुर्वेद	रूचि देवी	दैदीप्यनाम्
2.	अत्री	अत्र्यायगृह्या	यजुर्वेद	रूचि देवी	दैदीप्यनाम्
3.	अत्रिय	कात्यायन	यजुर्वेद	सति देवी	मुययेनाम्
4.	अंगिरा	कात्यायन	यजुर्वेद	जीण देवी	महाकर्ण
5.	अंगिरा	वृद्धगोतम	यजुर्वेद	जीण देवी	महाकर्ण
6.	अघमर्षण	कात्यायन	यजुर्वेद	काश्यर्णा	त्रिष्टधिनां
7.	अगस्त	जैमिनि	यजुर्वेद	सभा देवी	अन्नादयनाम्
8.	अष्टावक्र	गौतम	यजुर्वेद	मंगला देवी	षडमुखनाम्
9.	आलम्बायन	अलम्बायन	यजुर्वेद	सती देवी	धूंडीनाम्
10.	अनाव्रह्माक्ष	गोतम	यजुर्वेद	गणी देवी	अनवडनाम्
11.	उपमन्यु	पारस्कर	यजुर्वेद	नदिया देवी	कीर्तिनाम्
12.	अघमर्णण	जमदग्नि	यजुर्वेद	काश्यर्णा	त्रिष्टधिनाम्
13.	उपमन्यु	च्यवन	यजुर्वेद	नदिया देवी	कीर्तिनाम्
14.	उपम	वासुकी	यजुर्वेद	काली देवी	गजानन
15.	उद्दालक	पारस्कर	यजुर्वेद	काली देवी	गजानन
16.	कश्यप	पारस्कर	यजुर्वेद	चावण्डा	गोलनाम्
17.	काश्यप	कात्यायन	यजुर्वेद	पथयारी	महार्णनाम्
18.	कविस्त	पारस्कर	यजुर्वेद	पथयारी	महार्णनाम्
19.	कात्यायन	पारस्कर	यजुर्वेद	चामुण्डा	गणनाम्

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
20.	कौंडिन्य	पारस्कर	यजुर्वेद	जीण देवी	धीरानाम्
21.	कौंडिन्य	कौंडिन्य	यजुर्वेद	जीण देवी	धीरानाम्
22.	कौशिक	आश्वलायन	ऋग्वेद	समदीरी	मुखनाम्
23.	कौशिक	अत्रयावरीय	यजुर्वेद	समदीरी	मुखनाम्
24.	कौशिक	कृष्णाजिनय	यजुर्वेद	सतिया देवी	खेचरनाम्
25.	कपिल	गोभलीय	सामदेव	नादिया देवी	कोलवनां
26.	कपिल	कात्यायन	यजुर्वेद	नादिया देवी	कोलवनां
27.	काशकृतस्नु	पारस्कर	यजुर्वेद	सिधि देवी	मुदरायणां
28.	काशकृतस्नु	गोतम	यजुर्वेद	सिधि देवी	मुदरायणां
29.	कृष्णवेण्यम	कात्यायन	यजुर्वेद	नन्दीनि देवी	गहायनां
30.	कशव	कात्यायन	यजुर्वेद	आकुतीना	देवनां
31.	कर्ण	कात्यायन	यजुर्वेद	कुण्या	गणपनां
32.	कांचन	देवल	यजुर्वेद	चामुण्डा	मंगलनाम्
33.	काणवायन	भगीरा	यजुर्वेद	सती देवी	सिधिनाम्
34.	गर्ग	गोभलीय	अथर्ववेद	कांकक्षीया	धोलिनां
35.	गौतम	पारस्कर	यजुर्वेद	कृष्णा देवी	अद्धिनां
36.	गोतम	वद्धगौतम	यजुर्वेद	कृष्णा देवी	ऋद्धिनां
37.	गविष्ठर	वासुकी	यजुर्वेद	चामुण्डा	गजानन
38.	गोमिल	कात्यायन	यजुर्वेद	काली देवी	धरधरनां
39.	गोलव	वद्धगौतम	यजुर्वेद	चावडा	गजकर्ण
40.	चन्द्रायन	जैमिनिय	यजुर्वेद	जीण देवी	धुन्डनां
41.	जातुकर्ण्य	पारस्कर	यजुर्वेद	चाणा देवी	विनायक
42.	जैमिनि	पारस्कर	यजुर्वेद	हेमाद्री	गजानन
43.	जगदग्नि	जमदग्नि	यजुर्वेद	चामुंडा	कविल

गोत्र सारिणी

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
44.	जन्हु	जमदग्नि	यजुर्वेद	सखी देवी	विध्ननाश
45.	जावाली	वार्हस्पत्य	यजुर्वेद	सती देवी	शिवनाम्
46.	तंत्री	वद्ध गोतम	यजुर्वेद	सीतला	गजानन
47.	दरभायण	वासुदेव	यजुर्वेद	चन्दावती	धरनां
48.	दालभ्य	भार्गव	यजुर्वेद	याकुदी	शिवनां
49.	धृतकौशिक	वद्ध कौशिक	यजुर्वेद	कटारी देवी	शुभनां
50.	धन्नजय	गोभलीय	सामदेव	कुणीचरी	सुभटनां
51.	पारासर	पारास्कर	यजुर्वेद	जयंती देवी	शुभनां
52.	वाशिष्ठ	पारास्कर	सामवेद	अत्यवती	धीरनां
53.	वशिष्ठ	वसिष्ठ	यजुर्वेद	सत्यवती	त्र्यंकनां
54.	वत्स	पारस्कर	यजुर्वेद	चामुण्डा	एकदंतनाम्
55.	वरवंगन	पारस्कर	यजुर्वेद	सती देवी	गजानन
56.	वामदेव	पारस्कर	यजुर्वेद	कल्याणी	कौंडननाम्
57.	विश्वामित्र	गोभिल	सामवेद	वागी देवी	धूनीनाम्
58.	वृहस्पती	पारस्कर	यजुर्वेद	अरूंधती	सहायकानाम्
59.	वाक्षिय	संखत्यी	यजुर्वेद	गजिया देवी	षडमुखनां
60.	बलि	देवल	यजुर्वेद	कपिला देवी	वर देवनां
61.	वृहस्पती	भारद्वाज	यजुर्वेद	अरूंधती	सहायकानाम्
62.	बन्धुल	देवल	यजुर्वेद	दलियाणी	अहिरवुधनां
63.	विष्णु	वृद्ध विष्णु	यजुर्वेद	सवरी	सिनां
64.	वात्सनां	भार्गव	यजुर्वेद	चामुण्डा	एकदन्तनां
65.	वोधायन	गोतम	यजुर्वेद	सती देवी	शिवनां
66.	वरवंगन	कात्यायन	यजुर्वेद	सती देवी	गजानन
67.	वृद्धि	वार्हस्पत्य	यजुर्वेद	सेवंती	शिवनां

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
68.	वैयाग्रपद्य	सांकृत	यजुर्वेद	सितला	व्यानीनां
69.	वासुकी	कित्यायन	यजुर्वेद	चामुंडा	शिवनाम्
70.	भारद्वाज	पारस्कर	यजुर्वेद	सहदेवी	गजानन
71.	भार्गव	पारस्कर	यजुर्वेद	सती देवी	कृतान्तेनां
72.	भारद्वाज	भरद्वाज	यजुर्वेद	सहदेवी	गजानन
73.	भार्गव	भार्गव	यजुर्वेद	सति देवी	कृतांतनां
74.	मौदगल्य	पारस्कर	यजुर्वेद	सति देवी	ऋषिणाम्
75.	मोगिल	कात्यायन	यजुर्वेद	बरदी	ऋषिणाम्
76.	मालवंना	कृक्त्णु	यजुर्वेद	रंभानां	सिद्धिनाम्
77.	मांडल्य	कात्यायन	यजुर्वेद	गोपाली	नंदनां
78.	मित्रावरूण	भार्गव	यजुर्वेद	कम्बा	षडमुखनां
79.	मौनस	कोशिक	यजुर्वेद	चामुंण्डा	विकटोटनां
80.	मुद्गल	जमदग्नि	यजुर्वेद	सती देवी	गजानन
81.	मार्कंडेय	देवल	यजुर्वेद	कुणमा	गजानन
82.	यमदग्नि	पारस्कर	यजुर्वेद	चामुण्डा	कपिलनां
83.	रेवण	गोतम	यजुर्वेद	कृष्णा देवी	गंगाधरनां
84.	राहु	वृद्ध विष्णु	यजुर्वेद	सिधिया	गनानां
85.	लोभाक्ष	कात्यायन	यजुर्वेद	सति देवी	गंनांम्
86.	शांडिल्य	गोभलीय	सामवेद	नरवारिया	श्रीगणपति
87.	शौनक	पारस्कर	यजुर्वेद	सति देवी	गजानन
88.	सांस्कृत	पारस्कर	यजुर्वेद	जिण देवी	श्रीजनानां
89.	सोपायन	पारस्कर	यजुर्वेद	शीला देवी	गजानन
90.	शांडिल्य	देवल	यजुर्वेद	नरवारिया	श्रीगणपति
91.	सावर्णि	शोनक	यजुर्वेद	धारनां देवी	धरिनां

क्र.सं.	शासन (अल्ल)	ऋषि गोत्र	पदवी	प्रवर सं.	शाखा
92.	शांक्रत	शांकत	यजुर्वेद	सरू देवी	नन्दीनां
93.	संखनां	शोनक	यजुर्वेद	सुरा देवी	भुवनां
94.	शोरी	कोकिल	यजुर्वेद	चावंडा	शुभनां
95.	सोमराज	वार्हस्पत्य	यजुर्वेद	सति देवी	गजानन
96.	सावर्ण	शोनन्द	यजुर्वेद	माता देवी	गणेशनां
97.	सांकृत्य	अत्रि	यजुर्वेद	जिणयदेवी	श्रीगननां
98.	शौनन्द	शोनक	यजुर्वेद	सति देवी	गजानन
99.	शुनक	शोनक	यजुर्वेद	संखया	नन्दीनां
100.	सोपायन	जमदग्नि	यजुर्वेद	शीला देवी	गजानन
101.	हारी	वशिष्ठ	यजुर्वेद	जिण देवी	गोलवनां
102.	शररोडिया	गौतम	अग्निहोत्री	3	माध्यन्दिनी
103.	श्रीवाल	कश्यप	तिवारी	3	माध्यन्दिनी

विशेषत :– उपर्युक्त सूची पढ़ने से ज्ञात हुआ हो कि कुछेक ऋषियों के नाम पर एक से अधिक (2–3) सूत्र लिखित हैं।

।।भगवान परशुराम जी की आरती।।

ॐ परशुराम जय जय, स्वामी परशुराम जय जय।
दीनन क दुखहार, सुखकारी जय जय ।। ॐ
आदि अनादि अनामय अविचल अविनाशी । स्वामी
अमल अनंत अगोचर, अज आनँद रासी ।। ॐ
पुरूष पुरातन तुमही, तु हरिहर धाता । स्वामी
सकल वेद उर धारे, साथ सुरभि माता ।। ॐ
गौर शरीर मनोहर, जटा मुकुट माला । स्वामी
ब्रह्मचर्य व्रत धारी, लोचन कछु लाला ।। ॐ
उर नवगुण अति सुन्दर, त्रिपुँड तेज भाला ।। स्वामी
कर शर धनुष कुठारा, दुष्टन्ह हित काला ।। ॐ
कटि पीताम्बर सुन्दर, मृगछाला साजैं । स्वामी
चरण कमल नख जोती, रवि शशि मन लाजैं ।। ॐ
अघी गीध अज तारे, गणिका उद्धारी । स्वामी
धुव्र प्रहलाद उवारे, हे विपदा हारी ।। ॐ
हम अति दीन दुखारी, ममता मद मारे । स्वामी
पर हम बालक तेरे, सदा आप द्वारे ।। ॐ
तनमन निर्मल कीजै, बल बुधि यश दीजै । स्वामी
श्री पति चरण शरण हरि, बाँह पकरि लीजै ।। ॐ

।। इति आरती ।।

उपसंहार

सर्व ब्राह्मण गोत्रावली में वर्णित विषय वस्तु शास्त्रों को आधार मानकर रचित ग्रंथो से ली गयी है जो पूर्णतः प्रामाणिक है। सर्व प्रथम प्रस्तावना के बाद ईश वंदना जिसमें प्रथम पूज्य गणेश एवं सरस्वती वंदना से प्रारम्भ कर प्रातः स्मरणीय मंत्र अन्य देवी देवताओं के मंत्र हैं। इसके बाद हिन्दू संस्कृति के महत्वपूर्ण विन्दुओं को स्थान दिया गया है। इसके बाद अखिल भारतीय श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज संस्था का परिचय व वर्तमान कार्यकारिणी की सूची प्रकाशित की गई है।

तत्पश्चात पुस्तक के मूल विषय ब्राह्मणों की उत्पत्ति, गौड़ ब्राह्मणों के निवास स्थान, गौड़ ब्राह्मणों के प्रकार तथा शासन, गोत्र, पदवी, प्रवर व शाखा आदि की जानकारी दी गयी है। इसके बाद 1444 गोत्रों की सारिणी प्रस्तुत की गई है।

इसके बाद गौड़ ब्राह्मणों की पदवियों का विवरण है। अगले क्रम में ऋषि गोत्रानुसार सूत्र, वेद, कुलदेवी व गणपति का विस्तार से वर्णन किया गया है, जिसमें कुछेक ऋषियों के नाम पर एक से अधिक सूत्र हैं। अंत में भगवान परशुराम की आरती व संदर्भ ग्रन्थों की सूची प्रकाशित की गई है।

इस पुस्तक के प्रकाशन में समाज हितेषी बन्धुओं की शुभकामनाएँ व सन्देश समाहित किये हैं उन सभी का हार्दिक आभार धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

जय परशुराम।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. ब्राह्मणोत्पत्ति दर्पण द्वारा डॉ. माखनलाल मिश्र
2. ब्राह्मणोत्पत्ति द्वारा पं. चेतराम वशिष्ठ
3. ब्राह्मण पथ प्रदीप द्वारा पं. भगवान सहाय पांडे
4. ब्राह्मण गोत्रावली (संग्रह) श्री आदि गौड ब्राह्मण जागरण समिति बाडी/ (धोलपुर)
5. ब्राह्मण गोत्रावली एवं दैनिक कर्म-पुष्पांजली द्वारा पं. रोडरमल शर्मा ''गौड रत्न)''
6. गौड विप्र पश्चाङ्ग गोत्रावली द्वारा गोविन्द लाल गौड़
7. ब्राह्मणोत्पत्ति मार्तण्ड, मुम्बई
8. जाति भास्कर द्वारा ऐमराज श्री कृष्ण दास मुम्बई
9. श्री आदि गौड प्रदीर्पका, पं. गंगाराम धरण, गोविन्दगढ
10. अल्ल गोत्र प्रवर पत्रावली पं. किशोरीलाल देवलिया
11. ब्राह्मण गोत्रावली अत: पं. राजेन्द्र देवलाल, ऋषिकेश
12. श्री आदि गौड़ प्रदीपिका द्वारा पं. गंगाराम जी दरड
13. ब्राह्मण गोत्र परिचय द्वारा जगदीश वशिष्ठ नूँह
14. परशुराम वंश दर्शन पं. गणेशराम गौड़

ब्राह्मण गोत्रावली
एवं
दैनिक कर्म-पुष्पांजली

03.04.1934 - 18.04.2021

लेखक एवं संकलनकर्त्ता
पण्डित टोडरमल शर्मा ''गौड़ रत्न''

सम्पादक
राम कुमार शर्मा
64/234 प्रताप नगर, सांगानेर-जयपुर (राज.)

प्रकाशक-अश्विनी कुमार शर्मा
मधुवन विहार कॉलोनी, ब या ना, भरतपुर (राज.)

एस.एम. इलैक्ट्रिक्लस

पं. श्याम मोहन शर्मा

पुत्र स्व. पं.श्री वृद्वि चन्द शर्मा जयपुर रोड,
ईदगाह के पास गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर राज. 322201
जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय विप्र एकता मंच सवाई माधोपुर

हमारे यहाँ R.C.C. में पाईप फिटिंग व लाईट फिटिंग एवं कूलर, पंखे, प्रेस का कार्य किया जाता है।

इण्डेन गैस एजेन्सी के पास, उदेई मोड़, गंगापुर सिटी

Mob.: **9828296411**

The Young Entrepreneurs

(Prefav Construction Enterprise)

OUR PRESENCE :
JAIPUR, MUMBAI, BANGLORE, CHENNAI, HYDRABAD, INDORE

HEAD OFFICE : PREFAB HOUSE

ADDRESS :
Plot No. 386, (south Part), 80ft Road, Shree Gopal Nagar, Gopal Pura, Bypass, Jaipur-302018
Contact : 9024466865, 9799978663, 9799952444
Land Line : 0141-2500077
Email : Sales@theyoungenp.com,
Marketing@theyoungenp.com,
Theyoungenp@gmail.com
Website : Www.theyoungenp.com

M.D. ACADEMY

AN ENGLISH MEDIUM SCHOOL

Pre Nursery to Class X

• Tel : 0294-2431985 • Website : www.mdacademy.in

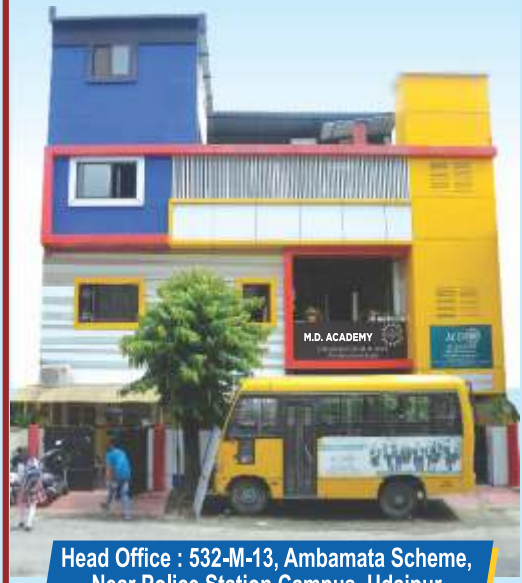

Head Office : 532-M-13, Ambamata Scheme,
Near Police Station Campus, Udaipur

राष्ट्र और समाज के भविष्य को विकसित करने के उद्देश्य के साथ एम.डी. अकादमी की स्थापना वर्ष 2001 में मीना देवी के नाम से की गई। केवल 28 विद्यार्थियों के साथ शिक्षा के इस सफर की शुरुआत हुई और वर्ष 2018 तक ही एम.डी. अकादमी के साथ 8000 परिवार जुड़ गए।

2015–16 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड संबद्धता प्रारम्भ हुई और परीक्षाओं में विद्यालय एवं छात्रों के उच्च कोटि प्रयासों एवं लगन से 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त हुए। 2019 से विद्यालय के सतत् प्रयासों से 10वीं कक्षा के साथ अपग्रेड किया गया।

गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं लगातार सफलता के सोपान से उत्कृष्टता के शिखर को छूते हुए 110 छात्रों के साथ एम.डी. अकादमी की एक और शाखा शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्रों के सहयोग से रामपुरा में प्रारम्भ की गई।

वर्ष 2020 में कोविड महामारी के कठिन समय में स्कूल के शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग से अध्ययन का चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से सफलता पूर्वक चलाया गया।

वर्तमान में कोविड प्रोटोकॉल एवं सावधानियों के साथ शिक्षण कार्यक्रम पुनः प्रारम्भ हो चुका है। रचनात्मक एवं गुणात्मक शिक्षा का यह सफर छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए जारी रहेगा।

Branch : Rampura
Near Kanak Vatika, Udaipur

शुभकामनाओ सहित

डॉ. पं. गिर्राज प्रसाद शर्मा

आयुर्वेद शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य **B.A.M.S.**

सेवानिवृत वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी

आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार

प्रदेशाध्यक्ष, अ. भा. वि. एकता मंच, राजस्थान

पिताजी का नाम - श्री कल्याण प्रसाद शर्मा

मूल निवास- तेसगांव , तहसील - नादौती, जिला- करौली

धर्मपत्नी - श्रीमती कमला शर्मा

पुत्री - श्रीमती हेमंत शर्मा M.A., B.Ed., अध्यापिका, स्वा. वि. रा. मॉडल विद्यालय, बसेड़ी, धौलपुर

दामाद- पं. श्री देवेंद्र शर्मा B.Sc., LL.B., Advocate , करौली

पुत्री - श्रीमती वंदना शर्मा M.Sc., B.Ed. (Govt. Teacher, धौलपुर)

दामाद - पं. श्री सुमन गौड़ B.A., B.Ed., अध्यापक, राजकीय विद्यालय, बसेड़ी, धौलपुर

पुत्री - श्रीमती नीरजा शर्मा B.Tech., Jr. Assistant in Edu Dept, Jaipur

दामाद - पं. श्री पंकज शर्मा B.Sc., M.Sc., Microbiologist , Titan Biotech Ltd. (टोडारायसिंह, टोंक)

पुत्र - पं. सोम प्रभ शर्मा B.Tech., Senior Software Eng. Crowdfire, Banglore

पुत्रवधु - श्रीमती रितु शर्मा M.B.A. in HR

पुत्र -डॉ. मनु प्रभ शर्मा BVSc & AH, MVSc (Surgery), Teaching Associate, PGIVER, Jaipur

पता: 39, पटवारी का मकान, महापुरा, अजमेर रोड, जयपुर - 302026
Mob. 9413000113, 9983290833

सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःख भाग्यवेत ॥

'शुभकामनाओं सहित'

बैद्य सत्यनारायण शर्मा

बी.ए.एम.एस., एम.ओ.

राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतीय आदि गौड़ ब्राह्मण समाज

पुत्र- स्व. श्रीमती तुलसी देवी एवं स्व. श्री रामजीलाल शर्मा
ग्राम- सखीपुरा, तह. बामनवास, जिला- सवाई माधोपुर

वर्तमान पता- 53, शांति विहार, कल्याण नगर,
टोंक रोड, जयपुर ✲ 9571162249

पंडित जी परामर्श केंद्र

कथा प्रवक्ता

बाल व्यास पं श्री राम गौड शास्त्री श्री धाम वृंदावन (जयपुर) 7742074697

विशेषज्ञ

संगीतमय श्री मद् भागवत कथा एवं श्री राम कथा के सरस प्रवक्ता एवं यज्ञ अनुष्ठान महामृत्युंजय जप श्री दुर्गा पाठ सहस्रघट रूद्राभिषेक नवग्रह शान्ति नवीन गृह प्रवेश बगलामुखी जप अनुष्ठान जन्म कुण्डली वास्तुदोष व्यापार विवाह ज्योतिष सम्बंधित इत्यादि कार्यो के सम्पर्क करे।

ऑफिस पंडित जी परामर्श केंद्र

पता= प्लाट नं,08 सहजो वाटिका माचवा कालवाड रोड जयपुर (राज,)

श्री श्यामाश्याम कृपा सेवा ट्रस्ट

ये हमारा मिशन गरीब एवं असहाय लोगो की सेवा एवं सहायता के लिए वृद्धजन बुजुर्ग लोगो की सेवार्थ रहेगा।